दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik | asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्षः 21, अंकः 20 ■ दमण, मंगलवार 07 अक्टूबर 2025, ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

संघ प्रदेश थ्रीडी में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव ऐलान के ठीक पहले दीव में बडा राजनीतिक उलटफेर

दमण-दीव सांसद उमेश पटेल के दीव के समर्थकों ने थामा भाजपा का दामन

■ वणाकबारा के दिग्गज राजनेता नरसिंह चारणिया, साउदवाडी के उमेश बामणिया सहित अनेक निर्दलीय सांसद उमेश पटेल के समर्थकों का भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष अमृता बामणिया और दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे ने कराया भाजपा प्रवेश ■ 2024 के लोकसभा चुनाव में नरसिंह चारणिया, उमेश बामणिया सहित के दीव के नेताओं ने भाजपा के उम्मीदवार को हराने में निभाई थी महत्वपूर्ण भूमिका ■ लोकसभा चुनाव के 15 महीने के भीतर ही सांसद उमेश पटेल के समर्थकों ने स्थानीय स्वराज संस्था के चुनाव के ठीक पहले भाजपा प्रवेश कर सबको चौंकाया है ■ भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया की रणनीति दीव में स्थानीय स्वराज संस्था के चुनाव में भाजपा की जीत की राह आसान करेगी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 07 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव से ठीक पहले दमण-दीव के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल को झटका लगा है। दीव में निर्दलीय सांसद उमेश पटेल की जीत तय करने वाले उनके खास समर्थक नरसिंह चारणिया, उमेश रामा सहित के अग्रणियों ने आज भाजपा का दामन थाम लिया है। भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, प्रदेश भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल, प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष अमृता बामणिया और दीव जिला भाजपा प्रमुख मोहन लकमणे ने वणाकबारा के दिग्गज राजनेता नरसिंह चारणिया, साउदवाडी के उमेश बामणिया सहित के लोगों को भाजपा का खेस पहनाकर विधिवत भाजपा में प्रवेश कराया। आज के इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा सचिव कीर्ति गोहिल एवं क्रीडन शाह सहित भाजपा के अनेक अग्रणी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में इसी ग्रुप ने उमेश पटेल की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लोकसभा चुनाव के 15 महीने के भीतर दीव के इन दिग्गजों ने सांसद उमेश पटेल का साथ छोडकर सत्ताधारी पार्टी भाजपा का दामन थाम लिया। स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव से ठीक पहले इन सभी दिग्गजों का भाजपा प्रवेश पार्टी के लिए फायदेमंद साबित होने वाला है। यहां बताना जरुरी है कि भाजपा प्रभारी दुष्यंत पटेल के मार्गदर्शन में संघ प्रदेश थ्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया संघ प्रदेश के तीनों जिलों में भाजपा को मजबूत करने और जनाधार वाले नेताओं को पार्टी में शामिल करने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं। दीव में यह ताजा राजनीतिक घटनाक्रम पार्टी की विजय में अहम भूमिका निभायेगा ऐसा जानकारों का मानना है।

दीव में भाजपा के खिलाफ पंचायती चुनाव में मजबूत उम्मीदवार उतारने की सांसद उमेश पटेल की उम्मीदों पर फिर सकता है पानी

संघ प्रदेश में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से चुनौती देने वाले दमण-दीव के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल को दीव में उनके ही समर्थकों ने भाजपा का दामन थामकर बडा झटका दिया है। दीव में जिनके भरोसे 2024 का लोकसभा चुनाव उमेश पटेल ने जीता था और जिनके भरोसे जिला पंचायत और ग्राम पंचायत चुनाव में भाजपा को हराने के लिए ताल ठोक रहे थे उन्हीं लोगों ने आज भाजपा में प्रवेश कर पंचायती चुनाव में भाजपा को जीताने का आह्वान भी कर दिया। नरसिंह चारणिया, उमेश बामणिया सहित के कई ऐसे लोग आज भाजपा के साथ जुडे है जिन्होंने किसी जमाने में कांग्रेस को भी जीताया था और पिछले चुनाव में निर्दलीय का साथ देकर भाजपा को लगातार चौथी बार दमण-दीव सीट से जीतने से रोका था। जानकारों की माने तो साउदवाडी, वणाकबारा और अन्य पंचायतों में भी नरसिंह चारणिया, उमेश बामणिया और उनके सहयोगियों का लोगों के बीच काफी अच्छा तालमेल है। अब यह सभी दिग्गज पंचायती चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे।

भारतीय तटरक्षक वायु अवस्थान दमण ने मनाया हिन्दी पखवाडा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 07 अक्टूबर। भारतीय तटरक्षक वायु अवस्थान दमण ने राजभाषा के रूप में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने और दैनिक सरकारी कार्यों में इसके महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 14 सितंबर से 29 सितंबर 2025 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। इस दौरान 03 अक्टूबर 2025 को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस आयोजन में कुल 11 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई, जिनमें अधिकारियों और कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भाषा के प्रति अपनी रचनात्मकता और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में राजभाषा विभाग द्वारा निर्मित एक फिल्म प्रदर्शित की गई। डीआईजी एसएसएन बाजपेयी, कमान अधिकारी, भारतीय तटरक्षक वायु अवस्थान दमण ने विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान किए और हिन्दी पखवाड़ा 2025 मनाने के लिए आयोजित प्रतियोगिता में उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने आधिकारिक पत्राचार में हिन्दी के उपयोग के महत्व पर जोर दिया। यह देखते हुए कि भाषा केवल संचार का माध्यम नहीं है, बल्कि संस्कृति और पहचान को सरंक्षित करने का भी एक साधन है। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। जिसमें सभी क्षेत्रों में हिन्दी के उत्तरोत्तर उपयोग के प्रति भारतीय तटरक्षक वायु अवस्थान दमण की प्रतिबद्धता दुहराई गई।

खानवेल मिनी कलेक्ट्रेट, खानवेल उपजिला अस्पताल और खानवेल चार रास्ता के 100 मीटर परिक्षेत्र में धरना, आंदोलन करने पर प्रतिबंध

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 07 अक्टूबर। खानवेल चार रास्ता, खानवेल उप-विभाग का सबसे व्यस्त यातायात जंक्शन है और किसी भी व्यवधान की स्थिति में इस उप-जिले के क्षेत्रों से संपर्क बाधित होता है। जिससे आम जनता को असुविधा होती है और वाहनों के सुचारू आवागमन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे आम जनता और खानवेल स्थित मिनी कलेक्ट्रेट के संवेदनशील कार्यालयों के लिए कानून-व्यवस्था की स्थिति भी खतरे में पड़ जाती है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए खानवेल उप-विभागीय मजिस्ट्रेट दिनेश कुमार मुहाल ने आदेश जारी किया है कि मिनी कलेक्ट्रेट खानवेल, उप-जिला अस्पताल खानवेल के परिसर और खानवेल चार रास्ता और 100 मीटर के क्षेत्र में किसी भी निजी संघ/संगठन, राजनीतिक दलों या समूहों द्वारा किसी भी समारोह या आंदोलन आदि को मनाने के लिए सार्वजनिक बैठक, धरना या जनता के एकत्र होने पर जिला मजिस्ट्रेट, दादरा और नगर हवेली की पूर्व अनुमति के बिना सख्त प्रतिबंध है। यह आदेश किसी भी अप्रिय घटना या कानून व्यवस्था से बचने और भविष्य में वाहनों के सुचारू संचालन आदि को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। यह आदेश 06 अक्टूबर 2025 से 04 दिसंबर 2025 (दोनों दिन सम्मिलित) तक लागू रहेगा, जब तक कि इसे पहले वापस नहीं ले लिया जाता। उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (खानवेल) डीएनएच आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे मिनी कलेक्ट्रेट, खानवेल में पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात करेंगे। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडनीय माना जाएगा।

मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिजनों से राहुल गांधी ने की बात

रायबरेली (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के रायबरेली जिले में मॉब लिंचिंग में मारे गए दलित युवक के परिजनों से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार देर रात फोन पर बात की। युवक के भाई ने बताया कि राहुल ने उनसे कहा कि परेशान मत होइए, कांग्रेस परिवार आपके साथ है। उन्होंने मेरे पिता से उनकी तबीयत के बारे में भी पूछा। इधर, अजय राय ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि यूपी में जंगलराज की सरकार है। जो लोग खुलेआम गुंडागर्दी कर रहे हैं और लोगों को मार रहे हैं, वे किसी भी तरह बख्शे नहीं जाएंगे। वहीं, पत्नी पिंकी ने कहा कि जैसे मेरे पति की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या की गई, वैसे ही हत्यारों को भी सजा मिलनी चाहिए। मुझे इंसाफ चाहिए। वहीं, बहन ने कहा कि भाई की हत्या साजिश के तहत की गई। हरिओम पासवान की 3 अक्टूबर को हत्या हुई थी। पहले कहा गया था कि युवक ड्रोन चोर था। उसी दिन युवक को पीटने और उसकी लाश के वीडियो भी सामने आए थे। इसके बाद 4 अक्टूबर को एक और वीडियो सामने आया, जिसमें मार खाते हुए युवक राहुल गांधी का नाम लेता है। इस पर भीड़ में से एक शख्स कहता है, यहां सब 'बाबा' वाले हैं। इसके बाद युवक को बेरहमी से पीटा गया। पुलिस ने मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। जबकि लापरवाही बरतने पर ऊंचाहार कोतवाल संजय कुमार सहित 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है।

निलंबित पुलिस वाहन चालक मंसूर के मामले में एक्शन, आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज

कोडरमा (एजेंसी)। झारखंड के कोडरमा जिले के चंदवारा स्थित पुलिस लाइन के निलंबित पुलिस वाहन चालक मंसूर आलम की आत्महत्या मामले ने पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। घटना में जिले के जयनगर थाना प्रभारी बबलू सिंह, डोमचांच थाना प्रभारी ओमप्रकाश यादव, पिकेट प्रभारी रमेश मरांडी और एएसआई अरविंद हांसदा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में कांड संख्या 76/25 दर्ज की गई है। मंसूर बीते तीन माह से निलंबित था। मंसूर पर आरोप है कि ड्यूटी के दौरान लापरवाही और शराब सेवन के कारण सस्पेंड किया था। आत्महत्या से पूर्व मंसूर वीडियो जारी कर आरोपित पुलिस अधिकारियों पर झूठा फंसाने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया था। वीडियो वायरल होते ही पुलिस मेंस एसोसिएशन और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने घटना को साजिश करार देकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। इधर, मंसूर की पत्नी ने भी निलंबन के बाद वेतन रोकने से उत्पन्न आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव को आत्महत्या का प्रमुख कारण बताया था। उन्होंने थाने में दिए बयान में संबंधित अधिकारियों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया था। ज्ञात हो कि मंसूर आलम ने गत मंगलवार (30 सितंबर) को सल्फास खाकर जान देने का प्रयास किया था। इलाज के दौरान बुधवार (1अक्टूबर)को रिम्स, रांची में उसकी मौत हो गई थी।

जेएसएल रियल्टी मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए

मुंबई (एजेंसी)। जेएसएल रियल्टी से संबंधित कथित धोखाधड़ी और सत्ता के दुरुपयोग से जुड़े मामले के बारे में बॉम्बे हाईकोर्ट ने पुलिस के आचरण पर गंभीर सवाल उठाए हैं। बॉम्बे हाईकोर्ट की फटकार के बाद जाँच आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्लूय) से लेकर मुंबई अपराध शाखा को सौंप दी गई है। यह आदेश महाराष्ट्र पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) द्वारा जारी किया गया था। मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम ए.अंखड की पीठ ने एक जाँच अधिकारी को सत्ता के कथित दुरुपयोग के लिए फटकार लगाई। यह पाया गया कि जिस अधिकारी को पहले एक गलत गिरफ्तारी के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा था, वह अभी भी इस मामले को देख रहा था। अदालत ने आईआईएफएल द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी, और उसने आरोपी ममता सिंह को अंतरिम राहत दी थी, जिन्हें ईओडब्ल्यू ने 10 सितंबर को गिरफ्तार किया था। पीठ ने सिंह की गिरफ्तारी से जुड़ी कई विसंगतियों को उजागर किया। उनका बयान 18 जून को दर्ज किया गया था, लेकिन उन्हें लगभग तीन महीने बाद बिना किसी स्पष्ट कारण के गिरफ्तार किया गया। अदालत ने सवाल किया कि सिंह को दिव्यांग बच्चे के जन्मदिन की पार्टी के दौरान क्यों गिरफ्तार किया गया और उन्हें अन्य आरोपियों के विपरीत आगे नोटिस क्यों नहीं दिए गए। पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी में देरी के कारणों को न बता पाना जाँच के आचरण पर गंभीर सवाल उठाता है। अधिकारी की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण और पारदर्शिता रहित प्रतीत होती है, जिसमें याचिकाकर्ता के परिसर में की गई तलाशी का कोई रिकॉर्ड भी नहीं है। अदालत ने ज़ोर दिया कि गिरफ्तारी का अधिकार निरंकुश नहीं है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन के अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादी गिरफ्तार

बिष्णुपुर (एजेंसी)। मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक कैडर को बिष्णुपुर जिले के केरेनफाबी मानिंग लेइकाई इलाके से गिरफ्तार किया है। खुमुकचाम बीरेन मेइती (40) पर दुकानदारों, स्कूलों और कॉलेजों से जबरन वसूली करने का आरोप है। वहीं प्रतिबंधित संगठन के एक और स्वयंभू लेफ्टिनेंट को शनिवार को जिले के निंगथौखोंग इलाके से गिरफ्तार किया गया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खानगेमबाम मंगलेम्बा सिंह (46) सुरक्षाकर्मियों की आवाजाही पर नजर रखता था और अपने संगठन के सदस्यों को सूचना पहुंचाता था। पीएलए मुख्य रूप से पड़ोसी देश म्यांमार स्थित अपने शिविरों से सक्रिय हैं। यह संगठन 19 सितंबर को नाम्बोल सबल लेइकाई में असम राइफल्स के काफिले पर घात लगाकर किए गए हमले में भी शामिल था, जिसमें दो जवान मारे गए थे। इस बीच, प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक सदस्य को रविवार को इंफाल वेस्ट जिले के नाओरेमथोंग से गिरफ्तार किया गया है।

ठाकरे बंधुओं की मुलाकात: अब निकाले जा रहे मायने, सियासी हलचल तेज

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल शुरु हो गई है। यहां हाल ही में हुई शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के चीफ राज ठाकरे की ताजा मुलाकात के बाद दोनों के बीच गठबंधन की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, इसे लेकर किसी भी पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। ये मुलाकातें ऐसे समय पर हो रही हैं, जब मुंबई में बीएमसी चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। रविवार को बांद्रा पूर्व स्थित मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन में राज्यसभा सांसद संजय राउत के पोते का नामकरण समारोह था। इस मौके पर राज और उद्धव दोनों ही पहुंचे थे। खास बात है कि यहां पर मुलाकात के बाद राज मातोश्री भी गए। खबर है कि दोनों नेता वहां करीब 40 मिनट तक रहे। फिलहाल, यह साफ नहीं है कि दोनों के बीच किस मुद्दे पर बात हुई।

वहीं भाजपा नेताओं ने रविवार को हुई दोनों नेताओं की मुलाकात को लेकर कहा कि इसका बीएमसी चुनाव के नतीजों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा, भगवान ने उद्धव और राज को एक ही परिवार में भेजा है, लेकिन वे अब भी साथ नहीं रहते। उद्धव द्वारा इस बात पर जोर देने का कोई मतलब नहीं है कि वह और राज एक ही रहेंगे। उन्होंने (उद्धव-राज) दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की साथ रहने की इच्छा को भी नहीं माना था। भाजपा के विधान परिषद सदस्य प्रवीण दरेकर ने कहा कि उनकी पार्टी को इन चचेरे भाइयों के एक साथ आने से ''कोई फर्क नहीं पड़ता है। यह पूछे जाने पर कि क्या दोनों के बीच गठबंधन सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए खतरा बन सकता है, दरेकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इन दावों में कोई सच्चाई है कि सत्तारूढ़ (गठबंधन के) दल इस बात से डरे हुए हैं कि राज और उद्धव गठबंधन कर सकते हैं। यह पूरी तरह से काल्पनिक है। मतदाता चुनाव के दौरान फैसला करेंगे। उन्होंने कहा कि मनसे-शिवसेना (यूबीटी) गठबंधन बीएमसी चुनाव के नतीजों को प्रभावित नहीं करेगा।

इससे पहले 5 जुलाई को हुए एक कार्यक्रम में राज और उद्धव साथ शामिल हुए थे। 27 जुलाई को मनसे प्रमुख मातोश्री पहुंचे थे और उद्धव को 65वें जन्मदिन की बधाई दी थी। इसके बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख अगस्त में गणेश चतुर्थी के मौके पर राज के घर पहुंचे थे।खबर है कि गठबंधन में शुरुआत में मनसे कथित तौर पर 100 सीटों की मांग कर रही थी, लेकिन अब 60 से 70 पर सहमति जता रही है। साल 2012 में मनसे ने 28 सीटें और 2017 में 7 सीटें जीती थीं। बता दें कि साल 2005 में राज ने तब अविभाजित शिवसेना से अलग होकर मनसे का गठन किया था। तब से ही दोनों नेता अलग हैं, लेकिन हाल ही में हुईं कई बैठकों ने गठबंधन की अटकलों को हवा दे दी है। वहीं, दोनों नेता भी अप्रत्यक्ष रूप से इसका समर्थन करते नजर आ रहे हैं। एक ओर जहां उद्धव ने सार्वजनिक रूप से गठबंधन की बात का स्वागत किया था। वहीं, राज ने हाल ही में कहा था कि मराठी माणूस के लिए एकजुट होना मुश्किल काम नहीं है।

परमिशन रद्द होने पर बोले धीरेंद्र शास्त्री- दीदी जब तक रहेंगी पश्चिम बंगाल में नहीं करेंगे कथा

खजुराहो (एजेंसी)। कथा वाचक और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेंद्र शास्त्री ने कहा है कि वे ममता बनर्जी के सीएम रहते पश्चिम बंगाल में कथा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि अभी हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने साफ मना कर दिया। परमिशन ही नहीं दी। दीदी जब तक हैं, तब तक बंगाल नहीं जाएंगे, दादा जब आएंगे तो जाएंगे। दरअसल, कोलकाता में 10, 11 और 12 अक्टूबर को धीरेंद्र शास्त्री की कथा होनी थी। बारिश की वजह से इसकी परमिशन रद्द कर दी गई। किसी और जगह पर कथा के लिए भी अनुमति नहीं दी गई, जिसके चलते शास्त्री ने अब इसे स्थगित कर दिया है। शास्त्री ने रविवार को रायपुर में कहा कि हमको पश्चिम बंगाल जाना था, तो दीदी ने हमें साफ मना कर दिया। समझ गए हम किसकी बात कर रहे हैं, नाम नहीं लेना चाहते हैं..., परमिशन भी कैंसिल कर दी गई और दूसरी जगह की परमिशन नहीं दी। जहां की परमिशन थी, वहां पानी भर गया था। फिर किसी ने कहा कि अब क्या कहोगे तो हमने कहा थैंक्यू बोल देना। इसका मतलब ये थोड़ी है कि हम अपना कार्य छोड़ देंगे। दीदी जब तक हैं, तब तक हम पश्चिम बंगाल नहीं जाएंगे। दादा जब आएंगे तो जाएंगे, लेकिन भगवान करे कि दीदी बनी रहे। हमें उनसे कोई दिक्कत नहीं, लेकिन बुद्धि ठीक रखें, धर्म के खिलाफ न जाएं। हम किसी राजनीति के पक्ष में नहीं हैं, न ही विरोध में हैं। हम सनातन के पक्ष में है। शास्त्री ने कहा कि घंटी बजाना, पूजा करना और तिलक लगाना ही धर्म नहीं है, बल्कि अधर्म के खिलाफ आवाज उठाना भी धर्म है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके पीछे पूरे भारत के विधर्मी लगे हुए हैं, लेकिन उनका प्रण है कि जब तक तन में प्राण रहेंगे, वे हिंदुत्व के लिए ही जीएंगे।

पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के रास्ते में क्या आ रहा कोट... कांग्रेस नेता का बयान

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई होनी है। इस बीच, कांग्रेस नेता वी.हनुमंता राव ने ओबीसी आरक्षण को लेकर सोमवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने पहले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण दिया था, जिसका उन्होंने कभी विरोध नहीं किया। कांग्रेस नेता राव ने सवाल उठाया कि अब पिछड़ा वर्ग आरक्षण के मामले में बाधा क्यों डाली जा रही है। उन्होंने कहा, आखिर कोर्ट इस रास्ते में क्यों आ रहे हैं?

कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को हटाने की वकालत कर रहे हैं। उन्होंने न्यायपालिका से अपील कर कहा, मैं अदालत से अनुरोध करता हूं कि हमारे रास्ते में न आएं। यह बयान स्थानीय निकायों में आरक्षण की नीति पर चल रही बहस को और हवा दे सकता है। तेलंगाना में विभिन्न राजनीतिक दलों और 60 से अधिक पिछड़ा वर्ग संघों के नेताओं ने बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने के लिए बिना किसी समझौते के संघर्ष करने का संकल्प लिया।

हैदराबाद में गोलमेज बैठक में पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, मंत्री वक्ति श्रीहरि, श्रीनिवास गौड़, गंगुला कमलाकर, वी हनुमंत राव, पुट्टा मधु और आनंद भास्कर सहित वरिष्ठ नेताओं, सांसदों व विधान पार्षदों ने हिस्सा लिया। इन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट में चल रही कानूनी लड़ाई पर चर्चा की। बैठक की अध्यक्षता कर रहे राज्यसभा सांसद आर. कृष्णैया ने कहा कि पिछड़ा वर्ग आरक्षण की रक्षा के लिए जानेमाने वकीलों की नियुक्ति की जाएगी।

अब तीन दिन देरी से विदा होगा मानसून, अभी करेगा और झमाझम बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले छह सालों की तरह इस बार भी मुंबई से मानसून की विदाई में दो से तीन दिन तक की देरी हो सकती है। मुंबई में मानसून की वापसी की तारीख 8 अक्टूबर, लेकिन मौसम विभाग ने बताया कि साइक्लोन शक्ति की वजह से इस साल मानसून की वापसी 8 से 11 तारीख के बीच होगी। इसका मतलब है कि अभी और झमाझम बारिश होगी। मुंबई में मानसून हटने तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। सोमवार को मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है।

आईएमडी ने पालघर और ठाणे के लिए मंगलवार को 'येलो अलर्ट' जारी किया है, जिसमें बिजली चमक, हल्की-मध्यम बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी है। चक्रवात शक्ति ने राज्य में मानसून की वापसी के दौरान तूफानी गतिविधियों को कमजोर कर दिया है। इसके अलावा, एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ दक्षिण की ओर आ रहा है, जो शुष्क उत्तरी हवाओं को ला रहा है। इससे संवहनीय गतिविधियां कम हो सकती हैं। शक्ति से राज्य के तटीय इलाकों पर कोई खतरा नहीं है। मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवात शक्ति और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के कारण मानसून के विदाई में देरी हो रही है। 2018 के बाद से मुंबई में मानसून की सामान्य तारीख पर विदाई नहीं हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को बताया कि चक्रवात शक्ति, जो पहले बंगाल की खाड़ी से शुरू हुआ और अरब सागर में रौद्र रूप लिया, ने राज्य में मानसून की वापसी की प्रक्रिया को बाधित कर दिया है। मुंबई के मौसम ट्रैकर रुशिकेश अग्रे ने कहा, 'बंगाल की खाड़ी में दबाव प्रणाली ने विदाई को टाला था, लेकिन अब यह सक्रिय हो गई है। मानसून की पूरी तरह से विदाई में एक सप्ताह लग सकता है। तब तक मुंबई में हल्की बारिश होती रहेगी।' इस साल मुंबई में मानसून की शुरुआत सबसे जल्दी 26 मई को हुई थी। इस देरी किसानों और शहरवासियों के लिए चुनौती पैदा कर रही है। मुंबई में लगातार वर्षा से जलभराव की समस्या बढ़ सकती है, जबकि ग्रामीण इलाकों में फसलें प्रभावित होंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि चक्रवात शक्ति का कमजोर पड़ना और पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव मिलकर मानसून को लंबा खींच रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में येलो अलर्ट, बारिश और तेज हवाओं के साथ मौसम बदलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में सोमवार को मौसम फिर से बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। इसके तहत हल्की से मध्यम बारिश, गरज के साथ छींटे पड़ने और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार, 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और दिनभर रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी। इस बदलाव के कारण अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की उम्मीद है, जबकि न्यूनतम तापमान लगभग 24 डिग्री सेल्सियस रहेगा। पिछले कुछ दिनों की तुलना में यह तापमान थोड़ा कम रहेगा, जिससे ठंडक महसूस होगी। मौसम के इस बदलाव का मुख्य कारण एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ है, जो उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों को प्रभावित कर रहा है। इस प्रणाली के प्रभाव से अगले 48 घंटों तक बादल छाए रहेंगे और तेज ठंडी हवाएं चलेंगी। आईएमडी ने राष्ट्रीय राजधानी और गुरुग्राम के लिए ऑरेंज अलर्ट भी जारी किया है, जो मध्यम से गंभीर जोखिम को दर्शाता है, जबकि नोएडा और गाजियाबाद के लिए येलो अलर्ट जारी है। अधिकारियों ने लोगों से बारिश और तेज हवाओं के दौरान सतर्क रहने का आग्रह किया है। उन्होंने खुले स्थानों पर जाने से बचने, गरज-चमक के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने और ढीली वस्तुओं को मजबूती से बांधने की सलाह दी है, ताकि तेज हवा के कारण नुकसान न हो। सोमवार तड़के दिल्ली और आसपास के इलाकों में भारी बारिश भी हुई। मौसम के इस बदलाव से तापमान में गिरावट आएगी और वातावरण ठंडा और ताजा हो जाएगा। मौसम विभाग का कहना है कि यह स्थिति अगले दो दिन तक बनी रहेगी, इसलिए लोगों को सतर्क रहना आवश्यक है।

बारिश और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या हुई 28, मलबे में बह गए कई घर

दार्जिलिंग (एजेंसी)। इस साल भारी बारिश और भूस्खलन के चलते पहाड़ी इलाकों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। बीते रोज दार्जिलिंग में हुई भारी बारिश और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 28 हो गई है। यहां बारिश से बाढ़ आ गई और मलबे के तेज बहाव में कई घर बह गए। सड़कों पर जमा हुए मलबे के कारण आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। हालांकि कहीं-कहीं जेसीबी से रास्ते साफ कर दिए गए जिससे यातायात बहाल हो गया है। इसके अलावा सड़के बह जाने के कारण कई गांवों का संपर्क खत्म हो गया है जिसके कारण सैकड़ों पर्यटकों फंस गए हैं।

राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज आपदा क्षेत्र का दौरा करेंगी। रविवार को उन्होंने अधिकारियों के साथ इमरजेंसी बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'शनिवार रात उत्तर बंगाल में अचानक 12 घंटों में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और भूटान व सिक्किम से भी नदी का पानी बह निकला। इससे यह आपदा आई। हमें यह जानकर सदमा और दुख हुआ है कि हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया हैज मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और उन्हें तुरंत सभी सहायताएं भेजूंगी। राज्य सरकार युद्ध स्तर पर बचाव कार्य कर रही है ताकि फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज (सोमवार) उत्तरी बंगाल का दौरा करेंगी। वह नुकसान का आकलन करते हुए राहत कार्य का निरीक्षण करेंगी और प्रभावितों से मिलेंगी। भूटान के ताला हाइड्रोपावर बांध तकनीकी खराबी के कारण ओवरफ्लो हो रहा है। अधिकारियों ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएचएम) ने बताया कि डुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन ने बांध के गेटों में खराबी की सूचना दी है, जिसके कारण वे नहीं खुल पाए, जिससे नदी का पानी बांध की संरचना के ऊपर फैल गया। भूटान ने आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल सरकार को संभावित निचले स्तर के प्रभाव के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है।

पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इस आपदा पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और केंद्र सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। फिलहाल बचाव और राहत दल मलबे में दबे और फंसे हुए लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

नेपाल में सामान्य हुए हालात... दिल्ली-काठमांडू अंतरराष्ट्रीय बस सेवा फिर से शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पड़ोशी देश नेपाल में हालात सामान्य होने के बाद दिल्ली-काठमांडू अंतरराष्ट्रीय बस सेवा फिर से शुरू हो गई है। ये बस सेवा यात्रियों के लिए बड़ी राहत है, क्योंकि इससे धार्मिक, पर्यटन व व्यावसायिक यात्राएं फिर सुगम हो सकेंगी।

यह सेवा दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (डीटीसी) द्वारा चलाई जा रही है। नेपाल में हिंसा के बाद यह सेवा रोक दी गई थी। अब बस सेवा को फिर से शुरू किया गया है, जिससे भारत व नेपाल के बीच लोगों से लोगों के संपर्क को और मजबूत किया जा सके।

बस नई दिल्ली के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल (दिल्ली गेट) से सुबह 10:00 बजे प्रस्थान कर काठमांडू के स्वयंभू बस टर्मिनल पर अगले दिन सुबह 9:00 बजे पहुंचती है। रास्ते में बस की निर्धारित हॉल्ट फिरोजाबाद, अयोध्या (उत्तर प्रदेश), सनौली (भारत-नेपाल सीमा), मुग्लिंग (नेपाल) पर होती हैं।

बस में एयर-कंडीशनल लग्जरी कोच है, जिसमें 2×2 आरामदायक सीटें, पर्याप्त लेगरूम, वाई-फाई व जीपीएस ट्रैकिंग जैसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। भारतीय व नेपाली नागरिकों को यात्रा के लिए केवल सरकारी फोटो पहचान पत्र (जैसे पासपोर्ट या वोटर आईडी) की आवश्यकता होगी। लेकिन अन्य देशों के नागरिकों को वैध पासपोर्ट व वीजा अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करना पड़ता है। इसके साथ ही यात्रियों को निर्धारित प्रस्थान समय से कम से कम एक घंटा पहले टर्मिनल पर रिपोर्ट करना अनिवार्य है। डॉ. अंबेडकर स्टेडियम बस टर्मिनल, दिल्ली गेट है। 5 वर्ष या उससे अधिक उम्र के यात्रियों का किराया 2800 रुपए प्रति व्यक्ति है। 2 वर्ष तक के बच्चे निःशुल्क है। उनके लिए सीट आरक्षित नहीं होती है। यात्रा तिथि से 60 दिन पहले तक टिकट बुक करने की सुविधा दी जाती है।

एनसीआरबी के चौंकाने वाले आंकड़े, महाराष्ट्र देश में सबसे ज्यादा आत्महत्या वाला राज्य

मुंबई (एजेंसी)। देश में किसानों द्वारा आत्महत्या करने की संख्या कम होती नहीं दिख रही है। किसानों द्वारा आत्महत्या के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले स्थान पर है। अक्सर देखा जाता है कि बाजार में अपने कृषि उत्पादों के दाम न मिलने, कर्ज के बोझ, बच्चों की शिक्षा, शादी जैसी परेशानियों के कारण किसान आत्महत्या का रास्ता चुन रहे हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में देश भर में कृषि क्षेत्र से जुड़े 10786 लोगों ने आत्महत्या की। इसमें 4690 किसान और 6096 खेतिहर मजदूर शामिल थे। यह आंकड़ा देश के कुल 171418 आत्महत्या पीड़ितों का 6.3 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार 2023 में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 6669 किसानों ने आत्महत्या की, जबकि 4151 किसानों और 2518 खेतिहर मजदूरों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी की रिपोर्ट बताती है कि 2023 में देश में महाराष्ट्र में आत्महत्या की दर सबसे ज्यादा थी तमिलनाडु में 19,483 (11.4 प्रतिशत) मामले दर्ज किए गए हैं। मध्य प्रदेश में 15,662 (9.1 प्रतिशत) मामले दर्ज किए गए हैं। कर्नाटक में 13,330 (7.8 प्रतिशत) और पश्चिम बंगाल में 12,819 (7.5 प्रतिशत) आत्महत्याएँ दर्ज की गई हैं। इस बीच, एनसीआरबी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल आत्महत्याओं में से 49 प्रतिशत पाँच राज्यों- महाराष्ट्र, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल में हुई हैं। शेष 51 प्रतिशत आत्महत्याएँ 23 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में हुई हैं। देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य (देश की 17 प्रतिशत आबादी के साथ) उत्तर प्रदेश में आत्महत्या की दर अपेक्षाकृत कम है, जो देश में दर्ज कुल मामलों का केवल 5.3 प्रतिशत है।

आत्महत्या के प्रमुख कारण

पारिवारिक समस्याएँ और बीमारी आत्महत्या के प्रमुख कारण थे, जो 2023 में कुल आत्महत्याओं का क्रमशः 31.9 प्रतिशत और 19.0 प्रतिशत था। आत्महत्या के अन्य कारण थे नशीली दवाओं/शराब का दुरुपयोग (7 प्रतिशत), वैवाहिक समस्याएं (5.3 प्रतिशत), प्रेम संबंध (4.7 प्रतिशत), दिवालियापन या कर्ज (3.8 प्रतिशत), बेरोजगारी (1.8 प्रतिशत), परीक्षा में असफलता (1.4 प्रतिशत), किसी प्रियजन की मृत्यु (1.3 प्रतिशत), पेशेवर/कैरियर संबंधी समस्याएं (1.1 प्रतिशत) और संपत्ति विवाद (1 प्रतिशत)।

जीएसटी सुधार 2025: गुजरात की अर्थव्यवस्था विभिन्न क्षेत्रों में कैसे बढ़ेगी

■ मक्खन और घी पर 5% जीएसटी से मुख्य खाद्य पदार्थ लगभग 6-7% सस्ते हो जाएँगे ■ सूरत के ज़री उद्योग को जीएसटी में कटौती का लाभ मिलेगा ■जिससे 1,50,000 श्रमिकों को लाभ होगा ■ पारंपरिक वस्त्र और हस्तशिल्प जैसे कच्छ कढ़ाई और संखेड़ा फर्नीचर 5% जीएसटी के तहत अधिक किफायती हो जाएँगे, रासायनिक इनपुट■ सिरेमिक और एगेट पर दरों में कमी से वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी ■ हीरों पर आईजीएसटी छूट से एमएसएमई को लाभ होगा और सूरत की वैश्विक व्यापार केंद्र के रूप में स्थिति मजबूत होगी

पीआईबी, अहमदाबाद 06 अक्टूबर। हाल के जीएसटी सुधारों का गुजरात पर गहरा प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन, कृषि और डेयरी, पारंपरिक हस्तशिल्प और वैश्विक निर्यात जैसे संबद्ध क्षेत्रों के मिश्रण पर आधारित है। आवश्यक वस्तुओं और पारंपरिक उत्पादों पर दरों में कमी, औद्योगिक इनपुट पर राहत प्रदान करने और व्यापार सुविधा उपायों को लागू करने से, इन सुधारों से राज्य की अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। ये सुधार विभिन्न क्षेत्रों में फैले हुए हैं, जिनसे ग्रामीण कारीगरों और बड़े उद्योगों, दोनों को लाभ होगा। ये सुधार लाखों लोगों की आजीविका में सुधार लाएँगे, पारंपरिक शिल्पकला का संरक्षण करेंगे और औद्योगिक विस्तार को बढ़ावा देंगे। ये उपभोक्ता कीमतों को कम करके और सामर्थ्य में सुधार करके घरेलू बजट को भी आसान बनाएंगे।

डेयरी मूल्य श्रृंखला

गुजरात के लिए, जहाँ डेयरी सहकारी समितियाँ ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, जीएसटी सुधार विशेष रूप से प्रभावशाली हैं। यह राज्य एक प्रमुख दूध उत्पादक है, जो भारत के कुल दूध उत्पादन में लगभग 7.7% का योगदान देता है। अमूल ब्रांड का स्वामित्व रखने वाला गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ (जीसीएमएमएफ) 18 सदस्यीय दुग्ध संगठनों का एक नेटवर्क है जो लगभग 36 लाख दुग्ध उत्पादकों से दूध खरीदता है। यह पूरी मूल्य श्रृंखला लाखों लोगों की आजीविका का आधार है।

मक्खन और घी पर जीएसटी दर को 12% से घटाकर 5% करने से गुजरात की डेयरी मूल्य श्रृंखला को महत्वपूर्ण राहत मिलने की उम्मीद है। संशोधित दरों से कीमतों में तत्काल 6-7% की कमी आएगी। उदाहरण के लिए, घी का एक किलो का पैकेट, जिसकी कीमत पहले 700 थी, अब 40-45 सस्ता हो सकता है। कर का बोझ कम करके, जीएसटी में बदलाव घरेलू बचत और खपत को बढ़ावा देंगे।

वस्त्र और हस्तशिल्प

सूरत वस्त्र और ज़री उद्योग

भारत का मैनचेस्टर₹ कहे जाने वाला सूरत, गुजरात की कपड़ा अर्थव्यवस्था का केंद्र है, जिसमें नवसारी और पलसाना भी प्रमुख केंद्र हैं। हाल ही में, ज़री बॉर्डर पर जीएसटी दर 12% से घटाकर 5% कर दी गई है, जिससे उद्योग के कार्यबल का हिस्सा बनने वाले बुनकरों, रंगरेजों, डिज़ाइनरों और व्यापारियों को राहत मिली है। सूरत का ज़री उद्योग लगभग 1,25,000 से 1,50,000 लोगों को सीधे तौर पर रोजगार देता है, जिनमें से लगभग 70% महिलाएं हैं जो अपने घरों से मशीनें चलाती हैं। सूरत भारत के लगभग 40% मानव निर्मित वस्त्रों का उत्पादन करता है और अमेरिका, ब्रिटेन और इटली जैसे बाज़ारों में देश के कुल निर्यात का लगभग 18% हिस्सा यहीं से आता है।

नई जीएसटी दर से साड़ियों की सजावट की लागत कम हो गई है, जिससे मध्यम रूप से सजी साड़ियों की कीमत लगभग 2-3% कम हो गई है। इससे बुनकरों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी और बिक्री में वृद्धि होगी।

कच्छ हस्तशिल्प

कच्छ के हस्तशिल्प, विशेष रूप से कढ़ाई की गई वस्तुओं और शॉलों को, जीएसटी दर 12% से घटाकर 5% किए जाने के बाद एक नई गति मिली है। भुज, अंजार और होडका के आसपास के गाँवों के साथ-साथ जामनगर और राजकोट के कुछ हिस्सों में स्थित यह उद्योग मुख्य रूप से क्षेत्रीय समुदायों की महिला कारीगरों द्वारा चलाया जाता है। इन परिवारों के लिए, कढ़ाई एक कला से कहीं बढ़कर है; यह अतिरिक्त आय का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। अपने जटिल दर्पण के काम और चमकीले धागों के लिए प्रसिद्ध कच्छ कढ़ाई की भारत और विदेशों में उच्च मांग है। परिधानों, घरेलू साज-सज्जा और अन्य सामानों में इस्तेमाल होने वाली इस कला को जीआई टैग भी प्राप्त है, जो इसके मूल और विरासत मूल्य को दर्शाता है। शहरी उपभोक्ताओं और पर्यटकों के बीच इसकी लोकप्रियता बढ़ी है और इसके उत्पाद एम्पोरियम, प्रदर्शनियों और तेज़ी से बढ़ते ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर बेचे जाते हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, इस शिल्प का निर्यात अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और संयुक्त अरब अमीरात को किया जाता है।

जीएसटी में कमी से उपभोक्ताओं के लिए हस्तनिर्मित उत्पादों की सामर्थ्य में सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए, 3,500 मूल्य के हाथ से कढ़ाई वाले शॉल पर कर अब 420 से घटाकर 175 कर दिया गया है, जिससे 245 की बचत होगी।

बंधनी (टाई-डाई) कपड़े

गुजरात का प्रतिष्ठित टाई-डाई कपड़ा, बांधनी, इसके दो सबसे महत्वपूर्ण उत्पादन केंद्रों, कच्छ और जामनगर से उत्पन्न हुआ है। बांधनी एक श्रम-प्रधान प्रक्रिया है, जो मुख्य रूप से क्षेत्रीय समुदायों द्वारा की जाती है, जहाँ कारीगर, विशेषकर महिलाएँ, इस जटिल बांधने की प्रक्रिया में कुशल होती हैं। यह उद्योग हज़ारों लोगों की आजीविका का आधार है और सौराष्ट्र क्षेत्र में 5,000 से ज़्यादा कारीगर कार्यरत हैं। इस कपड़े का गहरा सांस्कृतिक महत्व है और यह गुजरात और पूरे भारत में शादी-ब्याह और त्योहारों के परिधानों का एक अभिन्न अंग है। स्थानीय बाज़ार के अलावा, जामनगर जैसे केंद्रों से 70% से ज़्यादा उत्पादन गुजरात के बाहर अन्य भारतीय राज्यों में बेचा जाता है, जबकि इसका एक हिस्सा उन देशों के अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तक भी पहुँचता है जहाँ बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय रहते हैं।

निष्कर्ष

जीएसटी दरों के सरलीकरण से गुजरात के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को व्यापक राहत मिलने की उम्मीद है, जिससे ग्रामीण आजीविका, औद्योगिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता में तालमेल बिठाया जा सकेगा। इन उपायों से न केवल घरेलू बचत और उपभोक्ता सामर्थ्य में वृद्धि होगी, बल्कि आय और निर्यात में भी वृद्धि होगी। जीएसटी दरों में कमी से पारंपरिक शिल्पकला का संरक्षण होगा और बड़े पैमाने के उद्योगों का विकास होगा, जिससे गुजरात समावेशी विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए तैयार होगा।

यूपी के सभी सफाईकर्मियों का वेतन सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले राज्य के सफाईकर्मियों को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने घोषणा की कि अब प्रदेश के सभी सफाईकर्मियों का वेतन सीधे उनके बैंक खातों में भेजा जाएगा, जिससे किसी भी स्तर पर बिचौलियों की भूमिका खत्म हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सफाईकर्मियों को हर महीने 16,000 से 20,000 रुपये तक का वेतन मिलेगा, जो अब सीधे उनके खाते में जमा होगा। सीएम योगी ने कहा कि यह कदम सफाईकर्मियों के हितों की रक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है ताकि किसी भी स्तर पर उनका शोषण न हो सके। उन्होंने साथ ही घोषणा की कि सभी सफाईकर्मियों को आयुष्मान भारत कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे उन्हें हर वर्ष 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज प्राप्त हो सकेगा। योगी ने दीपावली से पहले यह संदेश भी दिया कि हर ''स्वच्छता मित्र'' इस त्यौहार पर स्वच्छता मिशन का हिस्सा बने और सुनिश्चित करें कि ''हर गरीब के घर में दीपक जले और मिठाई पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि जनप्रतिनिधि चाहे वह पार्षद हों, प्रधान, विधायक या सांसद पूरी प्रतिबद्धता के साथ जनता के लिए कार्य करें, तो चुनावों के समय मिलने वाली शिकायतों में कमी आएगी। उन्होंने जोर दिया कि जहां जनप्रतिनिधि जागरूक होकर जनता की सुनवाई करते हैं, वहीं पर समस्याओं का समाधान हो जाता है। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में जनता दर्शन किया, जिसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याएं रखीं। उन्होंने एक-एक फरियादी से मुलाकात की, उनका आवेदन स्वयं लिया और संबंधित अधिकारियों को त्वरित व प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक के चेहरे पर खुशी और संतोष लाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता दर्शन में लगभग 50 से अधिक लोग पहुंचे थे, जिन्होंने पुलिस, राजस्व, बिजली, नौकरी और आर्थिक सहायता जैसी विभिन्न समस्याएं रखीं।

भारत का सेवा निर्यात वित्त वर्ष 2025 में 14 प्रतिशत बढ़कर 102 अरब डॉलर तक पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। नीति आयोग की नवीनतम रिपोर्ट के मुताबिक भारत का सेवा निर्यात वित्त वर्ष 2025 में 14 प्रतिशत बढ़कर 102 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। यह वृद्धि भारत की वैश्विक सेवा क्षमता और मजबूत विदेशी मांग का संकेत देती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा आयात भी बढ़कर 48 अरब डॉलर हो गया, जो 4.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। नीति आयोग ने बताया कि वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल व्यापार 1.73 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचा, जिसमें 823 अरब डॉलर का निर्यात और 908 अरब डॉलर का आयात शामिल था। प्रमुख निर्यात श्रेणियों में मिनरल फ्यूल, इलेक्ट्रिकल मशीनरी और न्यूक्लियर रिएक्टर शामिल रहे। इनमें इलेक्ट्रिकल मशीनरी के निर्यात में 38.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो भारत की औद्योगिक उत्पादन क्षमता को दर्शाती है। वहीं, शीर्ष आयात वस्तुओं में मिनरल फ्यूल, इलेक्ट्रिकल मशीनरी, पर्ल्स और न्यूक्लियर रिएक्टर शामिल थे। रिपोर्ट के अनुसार, इनऑर्गेनिक केमिकल्स के आयात में 82.1 प्रतिशत की तेज वृद्धि हुई, जबकि न्यूक्लियर रिएक्टर के आयात में 18.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में भारत के निर्यात में मिश्रित रुझान देखने को मिले। संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, ब्रिटेन, चीन और सिंगापुर को किए गए निर्यात में गिरावट आई, जबकि अमेरिका को निर्यात में 27 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर्ज की गई। इस अवधि में भारत का आयात चीन, रूस, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका, इराक, सऊदी अरब और सिंगापुर से बढ़ा। इसमें संयुक्त अरब अमीरात से सोने और चीन से इलेक्ट्रॉनिक्स आयात का प्रमुख योगदान रहा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि भारत का सेवा क्षेत्र स्थिर बना हुआ है। एसएंडपी ग्लोबल और एचएसबीसी के संयुक्त सर्वेक्षण के अनुसार, सितंबर 2025 में एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स 60.9 पर स्थिर रहा, जो मजबूत मांग और व्यावसायिक गतिविधियों को दर्शाता है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि सेवा क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां अभी भी मजबूत हैं, हालांकि यह अगस्त में देखे गए उच्च स्तर से थोड़ा कम हुआ है। उन्होंने कहा कि अधिकांश आर्थिक संकेतक स्थिर हैं और सेवा क्षेत्र की वृद्धि की रफ्तार में कोई बड़ी गिरावट नहीं आई है।

बारिश और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या हुई 28, मलबे में बह गए कई घर

दार्जिलिंग(ईएमएस)। इस साल भारी बारिश और भूस्खलन के चलते पहाड़ी इलाकों में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है। बीते रोज दार्जिलिंग में हुई भारी बारिश और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 28 हो गई है। यहां बारिश से बाढ़ आ गई और मलबे के तेज बहाव में कई घर बह गए। सड़कों पर जमा हुए मलबे के कारण आवागमन पूरी तरह बंद हो गया। हालांकि कहीं-कहीं जेसीबी से रास्ते साफ कर दिए गए जिससे यातायात बहाल हो गया है। इसके अलावा सड़के बह जाने के कारण कई गांवों का संपर्क खत्म हो गया है जिसके कारण सैकड़ों पर्यटकों फंस गए हैं। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज आपदा क्षेत्र का दौरा करेंगी। रविवार को उन्होंने अधिकारियों के साथ इमरजेंसी बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'शनिवार रात उत्तर बंगाल में अचानक 12 घंटों में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। संकोश नदी में पानी का अत्यधिक प्रवाह हुआ और भूटान व सिक्किम से भी नदी का पानी बह निकला। इससे यह आपदा आई। हमें यह जानकर सदमा और दुख हुआ है कि हमने अपने कुछ भाई-बहनों को खो दिया हैङ्क मैं मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और उन्हें तुरंत सभी सहायताएं भेजूंगी। राज्य सरकार युद्ध स्तर पर बचाव कार्य कर रही है ताकि फंसे हुए लोगों को सुरक्षित निकाला जा सके। राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज (सोमवार) उत्तरी बंगाल का दौरा करेंगी। वह नुकसान का आकलन करते हुए राहत कार्य का निरीक्षण करेंगी और प्रभावितों से मिलेंगी। भूटान के ताला हाइड्रोपावर बांध तकनीकी खराबी के कारण ओवरफ्लो हो रहा है। अधिकारियों ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है। भूटान के राष्ट्रीय जल विज्ञान एवं मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएचएम) ने बताया कि ड्रुक ग्रीन पावर कॉर्पोरेशन ने बांध के गेटों में खराबी की सूचना दी है, जिसके कारण वे नहीं खुल पाए, जिससे नदी का पानी बांध की संरचना के ऊपर फैल गया। भूटान ने आधिकारिक तौर पर पश्चिम बंगाल सरकार को संभावित निचले स्तर के प्रभाव के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। पीएम मोदी ने दुख व्यक्त किया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर पोस्ट कर इस आपदा पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और केंद्र सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है। फिलहाल बचाव और राहत दल मलबे में दबे और फंसे हुए लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है।

मेटा ने 2028 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सब-सी केबल कैंडल लांच की घोषणा की

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अमेरिकी टेक दिग्गज मेटा ने 2028 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे बड़ी क्षमता वाली सब-सी केबल कैंडल लांच करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि कैंडल करीब 8,000 किलोमीटर तक फैली होगी, इससे जापान, ताइवान, फिलीपींस, इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर के साथ कनेक्टिविटी बढ़ेगी। कंपनी के अनुसार, यह परियोजना 58 करोड़ लोगों को सेवा देकर करीब 570 टेराबिट प्रति सेकंड (टीबीपीएस) की क्षमता प्रदान करेगी।

मेटा ने बताया कि कैंडल अपनी सबसे बड़ी क्षमता वाली केबल अंजना के समान बैंडविड्थ प्रदान करने के लिए 24 फाइबर-पेयर तकनीक का इस्तेमाल करेगी। कंपनी ने बताया कि नई केबल क्षेत्रीय दूरसंचार भागीदारों के सहयोग से तैयार होगी। कंपनी ने बिफ्रॉस्ट केबल सिस्टम के पूरा होने सहित कई मौजूदा सब-सी परियोजनाओं के अपडेट को लेकर जानकारी दी। एशिया-प्रशांत (एपीएसी) क्षेत्र में दुनिया के 58 प्रतिशत से अधिक इंटरनेट उपयोगकर्ता रहते हैं, जिसमें से कई ऑनलाइन कनेक्टिविटी और एआई जैसे इनोवेटिव टेक तक पहुंच के लिए मजबूत ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर हैं। कंपनी ने बिफ्रोस्ट, इको और एप्रीकॉट केबल्स में हालिया प्रगति को लेकर यह जानकारी दी है। बिफ्रोस्ट अब सिंगापुर, इंडोनेशिया, फिलीपींस और अमेरिका को जोड़ता है और 2026 में मैक्सिको को भी जोड़ने की उम्मीद है। बिफ्रोस्ट इस लोकप्रिय डिजिटल रूट में 260 टीबीपीएस से अधिक रिडंडेंसी जोड़ने के लिए पहले के ट्रांसपेसिफिक केबल्स से अलग रास्ता अपनाएगा। इको अब गुआम और कैलिफोर्निया के बीच 260 टीबीपीएस क्षमता प्रदान करता है और भविष्य में एशिया में आगे कनेक्टिविटी के विकल्प भी उपलब्ध हैं। फिलीपींस, इंडोनेशिया और सिंगापुर में भविष्य के विस्तार के साथ मेटा के एप्रीकॉट सिस्टम की लंबाई 12,000 किलोमीटर है, जो 290 टीबीपीएस क्षमता वाले बिफ्रोस्ट और इको सिस्टम का पूरक होगा। इस बीच, खबरें हैं कि मेटा खासकर भारतीय यूजर्स के लिए हिंदी लैंग्वेज एआई चैटबॉट डेवलप करने के लिए अमेरिका में 55 डॉलर (लगभग 4850 रुपए) प्रति घंटा रेट पर कॉन्ट्रैक्टर्स को हायर कर रहा है।

अब तीन दिन देरी से विदा होगा मानसून, अभी करेगा और झमाझम बारिश

नई दिल्ली(ईएमएस)। पिछले छह सालों की तरह इस बार भी मुंबई से मानसून की विदाई में दो से तीन दिन तक की देरी हो सकती है। मुंबई में मानसून की वापसी की तारीख 8 अक्टूबर, लेकिन मौसम विभाग ने बताया कि साइक्लोन शक्ति की वजह से इस साल मानसून की वापसी 8 से 11 तारीख के बीच होगी। इसका मतलब है कि अभी और झमाझम बारिश होगी। मुंबई में मानसून हटने तक हल्की से मध्यम बारिश जारी रह सकती है। सोमवार को मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पालघर के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है।

आईएमडी ने पालघर और ठाणे के लिए मंगलवार को 'येलो अलर्ट' जारी किया है, जिसमें बिजली चमक, हल्की-मध्यम बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी है। चक्रवात शक्ति ने राज्य में मानसून की वापसी के दौरान तूफानी गतिविधियों को कमजोर कर दिया है। इसके अलावा, एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ दक्षिण की ओर आ रहा है, जो शुष्क उत्तरी हवाओं को ला रहा है। इससे संवहनीय गतिविधियां कम हो सकती हैं। शक्ति से राज्य के तटीय इलाकों पर कोई खतरा नहीं है। मौसम विभाग ने बताया कि चक्रवात शक्ति और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ के कारण मानसून के विदाई में देरी हो रही है।

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
सरकारी अस्पताल, दीव में स्प्लिट एयर-कंडीशनर प्रदान करना, ठीक करना, स्थापित करना, परीक्षण करना और चालू करना.
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पत्रावान सं. : 21/2025-2026 (2025_DIUDT_4489_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 10/10/2025
ऑनलाइन जमा करने की तिथि : 10/10/2025
बोली खुलने की तिथि : 10/10/2025
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-१, दीव.
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/878 DATE : 06/10/2025

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पत्रावान सं. : 21/2025-2026 (2025_DIUDT_4492_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : --
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 10/10/2025
ऑनलाइन जमा करने की तिथि : 10/10/2025
बोली खुलने की तिथि : 10/10/2025
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-१, दीव.
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/880 DATE : 06/10/2025

संघ प्रदेश दादरा और नगर हवेली एवं दमण और दीव प्रशासन
लोक निर्माण विभाग – दीव
निविदा आमंत्रण सूचना
(2nd Call)
For details please scan
https://ddtenders.gov.in
eepwd-diu-dd@nic.in
02875-252294
निविदा सूचना सं. एवं पत्रावान सं. : 21/2025-2026 (2025_DIUDT_4484_1)
प्री-बिड मीटिंग की तिथि : 07/10/2025
डाउनलोड करने की अंतिम तिथि : 29/10/2025
ऑनलाइन जमा करने की तिथि : 29/10/2025
बोली खुलने की तिथि : 29/10/2025
कार्यपालक अभियंता, लोक निर्माण विभाग, निर्माण विभाग-२, दीव.
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/882 DATE : 06/10/2025

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM NAIK YASH ASHOKKUMAR / NAIK YASH ASHOKBHAI **TO NEW NAME YASH ASHOKKUMAR NAIK** AS PER AFFIDAVIT BASED ON MY DOCUMENTS.

भारत को अपने समुद्री सीमा को अधिक मजबूत करना होगा

संजय गोस्वामी

ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिजाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दशार्ता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है।

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के निर्णायक सैन्य जवाब के रूप में 07 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। कश्मीर में 22 अप्रैल के आतंकवादी हमले में एक नेपाली नागरिक सहित 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई। ऑपरेशन सिंदूर के तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पीओके और पाकिस्तानी क्षेत्र में 9 आतंकी स्थलों को निशाना बनाया,मई 2025 में पाकिस्तान के साथ भारत का हमला ऑपरेशन सिंदूर से वायु क्षेत्र में भारत की शक्ति में वृद्धि हुआ, इसलिए भारत ने पुराने मिग 21 विमान को अलविदा कर दिया बाद के घटनाक्रमों का ध्यान समुद्री क्षेत्र की ओर मोड़ दिया है, जैसा कि भारत और पाकिस्तान दोनों की प्रमुख नौसैनिक गतिविधियों, क्षमता और आधिकारिक बयानों में देखा जा सकता है, जहाँ उनकी नौसेनाएँ अपनी स्थिति में सुधार कर रही हैं और युद्ध से निपटने के लिए तैयारी का संकेत दे रही हैं। 2 अक्टूबर को, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध का हवाला देते हुए, पाकिस्तान को एक तीखी प्रतिक्रिया की चेतावनी दी, जो भारत में किसी तरफ के आतंकवादी घटना में पाकिस्तान द्वारा किसी भी दुस्साहस की स्थिति में उसके इतिहास और भूगोल को बदल सकती है लेकिन पाकिस्तान समुद्री क्षेत्र में सैन्य बुनियादी ढाँचे का विस्तार कर रहा है, यह एक ऐसा विकास है जो 2023 से जारी है। ऐतिहासिक रूप से, पाकिस्तान को इस क्षेत्र में एक सैन्य बढ़त हासिल रही है। यह अगस्त में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी द्वारा दिए गए उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में किसी भी संघर्ष में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने वाली नौ सेना पहली सेना होगी।नौसेना से जुड़ी हाल की खबरें बताती हैं कि भारत ने अपना पहला स्वदेशी 3डी निगरानी रडार लांजा-एन प्राप्त किया है, जो हवाई और सतह के लक्ष्यों का पता लगा सकता है। साथ ही, नौसेना को दो आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट, आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि को भी शामिल किया गया है, जिससे उसकी शक्ति में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, भारतीय नौसेना ने सफलतापूर्वक वर्टिकल लॉन्च शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल का परीक्षण किया, जो

हवाई खतरों से निपटने में सक्षम है।

ऑपरेशन सिंदूर में नौसेना की स्थिति को देखते हुए यह डिजाइन किया गया है स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए पहले युद्ध पोत, आईएनएस निस्तार का शामिल होना और दक्षिण चीन सागर में फिलीपींस के साथ भारत का पहला संयुक्त गश्ती दल की क्षमता व युद्ध पोत का निर्माण और हिंद-प्रशांत महासागर में में उसकी तैनाती दोनों को दशार्ता है, कि भारत की महासागर में पकड़ मजबूत है लेकिन पाकिस्तान भी जहाँ कराची और ग्वादर में चीन की उपस्थिति चिंता जनक है। पाकिस्तान ने अपने समुद्री सिग्नलिंग को हाल ही भी मजबूत किया है। मई में, उसने युद्ध में समुद्री आक्रमण से बचने के लिए कराची से ग्वादर तक समुद्र में युद्ध पोत की अपनी तैनाती बढ़ा दीं है । तब से, चीन द्वारा निर्मित हैंगोर श्रेणी की पनडुब्बी, पीएनएस मैंग्रो का प्रक्षेपण किया है और घरेलू स्तर पर विकसित पी282 जहाज से प्रक्षेपित करने वाला बैलिस्टिक मिसाइल का प्रदर्शन किया है। इसके बाद भारत ने नोटिस टू एयरमैन को जारी किया जाता है जब हवाई यातायात की आवाजाही एक निश्चित अवधि के लिए प्रतिबंधित होती है। , कई , मिसाइल का भी परीक्षण किया और लाइव-री अभ्यास भी हुए हैं - कभी-कभी केवल 60 समुद्री मील की दूरी पर झ जिससे अरब सागर में अलर्ट और परिचालन का एक चक्र बना रहा है । नौसेना सिग्नलिंग का महत्व ऑपरेशन सिंदूर के बाद नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि एक बुनियादी सवाल उठाती है कि क्या ये समानांतर अभ्यास केवल नियमित गतिविधियाँ हैं या नौसेना क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान निरोध समीकरण में बदलाव का संकेत देने वाला एक सुनियोजित बल प्रदर्शन है। इसका उत्तर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि मौजूदा संकट, हालाँकि हवाई क्षेत्र में हल हो गया है, लेकिन समुद्र में रणनीतिक अनिश्चितता का एक अवशेष छोड़ गया है। ऐसा प्रतीत होता है कि भारत और पाकिस्तान अपनी नौसैनिक स्थिति को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं, न केवल प्रतिरोध के लिए, बल्कि इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रहे हैं कि टकराव का अगला चरण समुद्री क्षेत्र में सामने आ सकता है। इस बदलाव को क्षमताओं के व्यापक संतुलन के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। वायु क्षेत्र की तरह, समुद्री संतुलन को अब 1999 में कारगिल युद्ध में जीत मिली लेकिन समुद्र में उसकी शक्ति की कम थी जब 1971 में भारत पाकिस्तान युद्ध में जिस तरह अमेरिका के युद्ध पोत जंग में भारत के लिए खतरा बना था जिसे रूस के युद्ध पोतों ने टाला था और भारत विजय हुआ लेकिन 26/11/08 में समुद्री मार्ग से पाकिस्तान के आतंकवादी का घुसना और मुंबई में कत्लेआम मचाना भी समुद्री मार्ग एक कमजोर कड़ी के रूप में देखा जाता है । भारत की नौ सेना की ताकत कम नहीं है, लेकिन उसकी नौसैनिक क्षमता अब पुरानी होती जा रही है, जिससे आधुनिकीकरण की चिंताएँ बढ़ रही हैं। पाकिस्तान लगातार अपनी क्षमताओं का विस्तार कर रहा है, चीन द्वारा डिजाइन की गई पनडुब्बियों और तुर्की से बाबर श्रेणी के कोरवेट को शामिल कर रहा है। उन्नत रडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्धक उपकरणों और बहुमुखी वायु-रोधी और सतह-रोधी हथियारों के साथ, ये संपत्तियाँ महत्वपूर्ण हैं। इस बदलाव को स्वीकार करते हुए, भारत के नौसेना प्रमुख ने पाकिस्तान की नौसेना की शक्ति में आश्चर्यजनक वृद्धि की ओर भी इशारा किया था। हालाँकि भारत की बढ़त अभी भी बनी रह सकती है, लेकिन यह अंतर कम होता जा रहा है, जिससे हिंद महासागर में निर्विवाद प्रभुत्व की धारणाएँ और भी जटिल हो रही हैं। कुल मिलाकर, ये घटनाएँ तीन कारणों से महत्वपूर्ण हैं: तनाव नियंत्रण, बाहरी हस्तक्षेप और दोनों पक्षों के बदलते सिद्धांत। पहला, समुद्र में तनाव नियंत्रण कहीं अधिक कठिन है। हवाई झड़पों के विपरीत, जिन्हें संतुलित करके पीछे हटाया जा सकता है, किसी भी नौसैनिक मुठभेड़ (जहाज पर जहाज या जमीन पर जहाज) में युद्ध की दहलीज पार करने का जोखिम अधिक होगा। 1971 की यादें, जब भारतीय नौसैनिक अभियानों ने संघर्ष को निर्णायक रूप से बदल दिया था, अतिरिक्त संवेदनशीलता जोड़ती हैं - यहाँ तक कि सीमित समुद्री कार्रवाई भी पाकिस्तान की रणनीतिक कल्पना में अस्तित्व के जोखिम से जुड़ी है। तब से, पाकिस्तान की मुख्य समुद्री चिंता भारतीय नौसैनिक अभियानों के प्रति अपनी कमजोरी की पुनरावृत्ति को रोकना रही है, जो पहुँच-रोधी/क्षेत्र-निषेध क्षमताओं की खोज और निषेध द्वारा निवारण की ओर उन्मुख सिद्धांत की क्रमिक अभिव्यक्ति में दिखाई देती है। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के ढाँचे के तहत ग्वादर के विकास को भी इसी निवारण तर्क के अंतर्गत समझा जाना चाहिए।

संपादकीय

दहेज का दानव

बेटियों की साक्षरता में वृद्धि और कामकाजी क्षेत्र में लगातार उनकी बढ़ती भूमिका के बावजूद यदि दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में वृद्धि होती है, तो यह शर्मनाक स्थिति ही कही जाएगी। राष्ट्रीय क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी की वह रिपोर्ट चौंकती है कि साल 2023 के दौरान देश में दहेज उत्पीड़न की घटनाओं में 14 फीसदी मामले ज्यादा दर्ज किए गए हैं। इस वर्ष के दौरान दहेज के कारण देशभर में 6,100 महिलाओं की मौत दर्ज की गई है। 21वीं सदी को ज्ञान की सदी कहा जा रहा है और हम रूढ़िवादी सोलहवीं सदी में जी रहे हैं। लड़कियों के साथ यदि परिवार व्यवस्था में भेदभाव होता है और भ्रूण हत्या की प्रवृत्ति बढ़ती है, तो उसके मूल में भी दहेज का अभिशाप ही है। लगातार खचीर्ली होती उच्च शिक्षा व्यवस्था में बेटियों की शिक्षा पर बड़ा खर्च करने के बाद यदि मां-बाप को दहेज देना पड़ता है तो यह शर्मनाक स्थिति है। हालांकि, पिछले कुछ समय से पारिवारिक विवाद व अन्य कारकों को दहेज का मामला बनाने के कुछ मामले अदालतों की चिंता का भी विषय रहे हैं। लेकिन इसके बावजूद समाज में दहेज के लिये उत्पीड़न की घटनाएं कटु सत्य है। यह भी एनसीआरबी की रिपोर्ट का यथार्थ है कि देश में हर रोज दहेज के लिये हत्याएं दर्ज हो रही हैं। बेटियों को पढ़ाने तथा सरकारों द्वारा उनके सशक्तीकरण के तमाम प्रयासों के बावजूद दहेज का दानव यदि अट्टहास कर रहा है तो यह हमारे समाज की असफलता ही कही जाएगी। निस्संदेह, हमारे समाज में सोच में बदलाव लाने की जरूरत है। एक समय नारा लगाया जाता था कि दुल्हन ही दहेज है। इस नारे को हकीकत बनाने की जरूरत है। कहीं न कहीं इस संकट के मूल में पितृसत्तात्मक सोच भी जिम्मेदार है। जिसमें स्त्रियों को वाजिब हक न देकर उन्हें कमतर आंका जाता है। इस बात पर विचार किया जाना चाहिए कि दहेज प्रथा उन्मूलन के लिये सख्त कानून होने के बावजूद इस कुप्रथा पर रोक क्यों नहीं लग पा रही है। आखिर क्यों दहेज निषेध अधिनियम के अंतर्गत मामले लगातार बढ़ रहे हैं। समाज में साक्षरता वृद्धि और जागरूकता अभियानों के बावजूद स्थिति जस की तस है। विडंबना यह है कि दहेज उत्पीड़न के ज्यादातर मामले बड़े हिंदी प्रदेशों में सामने आए हैं। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश में और फिर बिहार दूसरे नंबर पर है। ये हजारों मामले समाज में स्त्रियों की विडंबनापूर्ण स्थिति को ही दशार्ते हैं। समाज में उपभोक्तावादी सोच के चलते भी दहेज की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। हमें विचार करना होगा कि समाज में दहेज के संकट की जड़ों पर कैसे प्रहार किया जाए। राष्ट्र का विकास तब तक एकांगी ही रहेगा, जब तक आधी दुनिया को समाज में सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता। दहेज के मामलों में न्याय भी शीघ्र देने की आवश्यकता है। आज जरूरत इस बात की है कि बेटियों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे समाज में सम्मानजक ढंग से बिना किसी पर निर्भर रहकर जीवनयापन कर सकें।

चिंतन-मनन

कौन है नीतिनिष्ठ व्यक्ति?

सदाचार एक व्यापक और सार्वभौम तत्व है। देशकाल की सीमाएं इसे न तो विभक्त कर सकती हैं और न इसकी मौलिकता को नकार सकती हैं। जिस प्रकार सूर्य का प्रकाश सबके लिए होता है, उसी प्रकार सदाचार के मूलभूत तत्व मानव मात्र के लिए उपयोगी होते हैं। कुछ व्यक्ति अपने राष्ट्र, कुल या परंपरागत आचार को विशेष महत्व देते हैं, किंतु यह अपनेपन का व्यामोह है। जो कुछ मैं कर रहा हूं, वह सदाचार है, इस धारणा की अपेक्षा व्यक्ति को ऐसी धारणा सुदृढ़ करनी चाहिए कि जो सत आचरण है, वह मेरे लिए करणीय है।

सदाचारी व्यक्ति नीतिनिष्ठ होता है। वह किसी भी स्थिति में नीति के अतिप्रमण को अपनी स्वीकृति नहीं दे सकता। नीतिनिष्ठ व्यक्ति को परिभाषित करते हुए कहा गया है- जिस व्यक्ति में अभय, मृदुता, सत्य, सरलता, करुणा, धैर्य, कर्तव्यनिष्ठ और व्यक्तिगत संग्रह का संयम और प्रामाणिकता होती है, वह नीतिमान कहलाता है। जो व्यक्ति सत्य के प्रति समर्पित होता है, अन्याय का प्रतिकार करते समय भयभीत नहीं होता, अपनी भूल ज्ञात होने पर उसे स्वीकार करने में संकोच नहीं करता और कठिनतम परिस्थिति का मुकाबला करने के लिए तैयार रहता है, वह अभय का साधक होता है।

कोमलता का नाम मृदुता है। यह सामूहिक जीवन की सफलता का सूत्र है। इसके द्वारा व्यक्ति के जीवन में सरसता आती है। मृदु स्वभाव में लोच होती है, इस स्वभाव वाला व्यक्ति किसी भी वातावरण को अपने अनुकूल बना लेता है। सत्य का अर्थ है यथार्थता। जो तथ्य जैसा है उसे वैसा ही जानना, मानना, स्वीकार करना और निभाना सत्य है। सत्य की साधना कठिन अवश्य है, पर है आत्मतोष देने वाली। आर्जव सरलता का पर्यायवाची शब्द है। सरलता सदाचार की आधारभूमि है। इसी उर्वरा में सदाचार की पौध फलती-फूलती है। मायावी व्यक्ति कभी सदाचारी नहीं हो सकता। करुणा सदाचार का मूल है। जिस व्यक्ति के अंतःकरण में करुणा नहीं होती, वह अहिंसा के सिद्धांत को समझ नहीं सकता। अहिंसा के बिना समता का विकास नहीं होता।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सियासी शतरंज की बिसात पर नया दौर

विनोद कुमार सिंह

बिहार में विधानसभा चुनाव 2025 की चुनावी बिगुल बज चुकी है। चुनाव आयोग ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर औपचारिक रूप से तिथियों की घोषणा कर दी। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों–6 और 11 नवंबर-में संपन्न होंगे, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राज्य का राजनीतिक पारा चढ़ गया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष–दोनों ही गठबंधन–अपनी रणनीतियों को अंतिम रूप देने में जुट गए हैं।

एनडीए और महागठबंधन दोनों में सीटों के बँटवारे को लेकर मंथन जारी है। एनडीए खेमे में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान करीब 40 सीटों की माँग कर रहे हैं, जबकि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के नेता जीतन राम मांझी गयाझऔरंगाबाद जैसे क्षेत्रों में अपने प्रभाव के अनुरूप अधिक सीटें चाहते हैं।

दोनों नेताओं ने संकेत दिए हैं कि यदि माँगें नहीं मानी गईं तो वे स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ सकते हैं–जो एनडीए की एकजुटता के लिए चुनौती बन सकता है।वहीं महा गठबंधन ने भी अपनी तैयारी तेज कर दी है। राजद, कांग्रेस और वामदलों ने मिलकर 'बदलाव और बेरोजगारी के खिलाफ जनसंग्राम' का नारा दिया है।

एनडीए की सबसे बड़ी ताकत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की साझा छवि है। केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर सत्ता में रहने का लाभ एनडीए को मिल सकता है।

भाजपा 'स्थिर सरकार, मजबूत बिहार' के संदेश के साथ जनता तक पहुँचने की कोशिश में है।

नीतीश कुमार का प्रशासनिक अनुभव अब भी कई वर्गों को प्रभावित करता है, हालांकि उनके लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों से कुछ मतदाताओं में असमंजस भी है।

चिराग पासवान, जिन्होंने 2024 में पाँच लोकसभा सीटें जीतकर अपनी स्थिति मजबूत की, अब विधानसभा में भी निर्णायक भूमिका चाहते हैं। मांझी की पार्टी भले सीमित सीटों पर प्रभावशाली हो, परंतु कुछ क्षेत्रों में उनका जनाधार परिणाम तय कर सकता है।

महागठबंधन की मुहिम : जनता बनाम सत्ता - महागठबंधन ने इस बार 'जनता बनाम सत्ता' का मुद्दा केंद्र में रखा है।

तेजस्वी यादव बेरोजगारी, पलायन और शिक्षा जैसे विषयों पर युवाओं को जोड़ने की मुहिम चला रहे हैं, जबकि कांग्रेस राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के जरिए शहरी और युवा मतदाताओं को आकर्षित कर रही है।

वामदलों का फोकस किसानों- मजदूरों पर है - महागठबंधन की कोशिश है कि पारंपरिक मुस्लिम-यादव (MY) समीकरण के साथ अति पिछड़े वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर तबकों तक भी पहुँच बनाई जाए।

नीतीश कुमार के लगातार 'पाला बदलने' से विपक्ष को 'विश्वसनीयता' का मुद्दा मिला है, जिसे वह भुनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा।

गाँव से शहर तक प्रचार युद्ध जारी है

ग्रामीण इलाकों में जातीय और स्थानीय समीकरण अब भी निर्णायक हैं। एनडीए 'लाभार्थी वर्ग' को साध रहा है-वे लोग जिन्हें केंद्र या राज्य की योजनाओं का सीधा लाभ मिला है। भाजपा-जदयू कार्यकर्ता घर-घर जाकर सरकारी योजनाओं की उपलब्धियाँ गिना रहे हैं।

महागठबंधन 'रोजगार और सम्मान' को केंद्र में रखकर युवाओं से संवाद कर रहा है।सोशल मीडिया पर भी जंग तेज है - ट्विटर (X), फेसबुक और यूट्यूब पर दोनों गठबंधन प्रचार अभियान में जुटे हैं।तेजस्वी यादव और चिराग पासवान 'युवा नेतृत्व' के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। महिलाएँ और युवा : सत्ता का नया गणित -इस बार चुनावी परिणामों में महिला और युवा मतदाताओं की भूमिका निर्णायक मानी जा रही है।

नीतीश सरकार की साइकिल योजना,पोषण आहार और महिला आरक्षण जैसी योजनाएँ अब भी महिला वोटरों के बीच लोकप्रिय हैं।

लेकिन बेरोजगारी और पलायन से जूझ रहे युवाओं में असंतोष विपक्ष के लिए अवसर बन सकता है।

महिलाएँ अब केवल पारंपरिक सोच से नहीं, बल्कि शिक्षा, सुरक्षा और महँगाई जैसे ठोस मुद्दों पर मतदान निर्णय ले रही हैं। एनडीए 'नारी शक्ति-मजबूत बिहार' के नारे पर केंद्रित है,जबकि महागठबंधन 'समान अवसर, समान अधिकार' को मुख्य एजेंडा बना रहा है।

चुनाव आयोग की तैयारियाँ -मुख्य चुनाव आयुक्त और उनकी टीम ने बिहार की प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा की है। पूर्वांचल वासियों का महापर्व छठ के बाद दो चरणों में मतदान प्रस्तावित है–6 और 11 नवंबर को होगी , वही मतगणा 14 नम्बर को होगी।सुरक्षा और लॉजिस्टिक कारणों से इस बार बहु-चरणीय मतदान को प्राथमिकता दी गई है।

भविष्य का सियासी गणित -बिहार का मतदाता अब पहले से अधिक जागरूक है। जाति और धर्म से आगे बढ़कर जनता विकास, रोजगार और शिक्षा पर ध्यान दे रही है। एनडीए के पास मजबूत संगठनात्मक नेटवर्क है–भाजपा की बूथ-स्तरीय मशीनरी और जदयू का प्रशासनिक अनुभव।

वहीं महागठबंधन 'परिवर्तन' के नारे और युवा ऊर्जा के सहारे मैदान में उतरा है।यदि एनडीए चिराग पासवान और मांझी की सीट माँगों को संतुलित ढंग से हल कर लेता है, तो उसकी एकजुटता बनी रह सकती है। अन्यथा मतभेद महागठबंधन को बढ़त दे सकते हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार चुनाव का परिणाम 'माइक्रो कास्ट समीकरण', 'युवा भागीदारी' और 'स्थानीय नेतृत्व की विश्वसनीयता' पर निर्भर करेगा। संक्षेप में बिहार की सियासत का नया अध्याय बिहार में सत्ता की राह हमेशा गठबंधन की राजनीति से होकर गुजरती है।एनडीए के लिए यह चुनाव 'एकता और संयम' की परीक्षा है,जबकि महागठबंधन के लिए 'विश्वसनीयता और वैकल्पिक नेतृत्व' की। जनता का मूड इस बार विकास और भरोसे के इर्द-गिर्द घूमता दिख रहा है।आगामी महीनों में उम्मीदवार चयन और प्रचार रणनीति यह तय करेंगे कि बिहार की जनता स्थिरता चुनेगी या बदलाव। एक बात तय है –2025 का बिहार विधानसभा चुनाव केवल सत्ता का संघर्ष नहीं, बल्कि राज्य की सियासी संस्कृति के पुनर्निर्माण की लड़ाई होगा।

मुद्दा-खाद्यान्न संकट से निपटना बड़ी चुनौती

अविनाश चन्द्र

21वीं सदी में भारत सहित समस्त विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती खाद्यान्नों के संकट से निबटने की होगी। वर्ष 2050 तक दुनिया की आबादी के 9.3 अरब होने उम्मीद है। इतनी बड़ी आबादी की खाद्य जरूरतों को पूरा करने के लिए वर्तमान में होने वाले कुल वैश्विक उत्पादन की तुलना में 70 प्रतिशत अधिक खाद्यान्नों के उत्पादन की जरूरत पड़ेगी। दुनियाभर में बने युद्ध के माहौल ने कोढ़ में खाज की ही स्थिति पैदा की है। कई ध्व्वों में बंट चुकी दुनिया के देशों द्वारा खाद्यान्नों के आायात-निर्यात को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किये जाने के कारण समस्या और विकराल हुई है। इसके अलावा धरती की घटती उर्वरा शक्ति के साथ साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निबटते ह्ए उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करना सभी देशों के लिए मुश्किलों का सबब बनने वाला है। जलवायु परिवर्तन का सबसे अधिक दुष्प्रभाव जिन देशों पर पड़ सकता है उसमें भारत सबसे संवेदनशील देशों वाले वर्ग में आता है। वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2024 में भारत का स्थान 127 देशों में 105वें क्रम पर है। जबकि 2050 तक भारत की आबादी के बढ़कर 1.7 अरब होने की संभावना है और देशवासियों की खाद्य जरूरतों को पूरा करने उसे कुल वर्तमान उत्पादन की तुलना में उत्पादन को कम से कम 32 प्रतिशत अधिक बढ़ाना होगा।

मुश्किलों की झलक हमें विगत कण्छ वर्षों के दौरान स्पष्ट रूप से देखने को मिलने लगी हैं जब आश्चर्यजनक रूप गर्मी फरवरी-मार्च महीने में ही अपने तेवर दिखाने लगती है। बरसात के बदलते पैटर्न ने भी कृषि कार्य को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। वर्ष 2021 का ही उदाहरण लेते हैं। फरवरी तक जिस गेहूं के रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद की जा रही थी और जिसके बल पर रिकॉर्ड निर्यात की योजना बनाई जा रही थी, मई आते आते कम उत्पादन के कारण उस पर पानी फिर गया। आलम ये बना कि सरकार को गेहूं के निर्यात पर रोक लगाने का फैसला लेना पड़ा। गेहूं के अलावा चीनी के निर्यात को भी रोक दिया गया। यह एक दिन या एक वर्ष की बात नहीं है। आज समस्त विश्व के समक्ष बढ़ती जनसंख्या की खाद्यान्न जरूरतों को पूरा करने की बड़ी चुनौती है। दुनियाभर के नीति निर्धारक और वैज्ञानिक इस समस्या का समाधान तलाशने में अनवरत रूप से जुटे हैं। जागल्कता और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि के कारण खाद्यान्नों की सबसे ज्यादा मांग विकासशील और अल्पविकसित देशों से होने की उम्मीद की जा रही है। जबकि जलवायु परिवर्तन की सबसे अधिक मार भी इन्ही विकासशील देशों पर ही पड़ने की उम्मीद है। आसन्न संकट को देखते हुए दुनियाभर के नीति नियंताओं के बीच खाद्यान्न संकट से निबटने के लिए कृषि के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकि के प्रयोग से उत्पादन में वृद्धि और उत्पादों के बेहतर संरक्षण को लेकर सहयोग और सामंजस्य पर सहमति तैयार करने का दौर जारी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करते हुए और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हुए खाद्यान्नों के उत्पादन में वृद्धि की चण्नौती बड़ी है लेकिन जेनेटिकली मॉडिफाइड यानी अनुवांशिक रूप से संशोधित कृषि उत्पादन तकनीकि से उम्मीद जगती है। इस तकनीक से फसलों को जहां कीट, बीमारी और खरपतवार रोधी बनाए जाने में सफलता प्राप्त हुई है वहीं मौसम जनित विषमताओं को झेलने में भी आसानी हुई है। एक दशक पूर्व विकसित सब1ए प्रकार के धान का पौधा बाढ़ और सूखे दोनों प्रकार की परिस्थितियों को झेलने में सक्षम है वहीं गोल्डन राइस विटामिन ए की प्रचूरता से युक्त है। चूंकि बीजों को विकसित करने के दौरान ही उनके जीन में परिवर्तन कर उन्हें कीट और खरपतवार रोधी बना दिया जाता है इसलिए पूरे फसल चक्र के दौरान इन पर रासायनिक कीटनाशकों के छिड़काव की या तो जरूरत नहीं पड़ती या बहुत कम पड़ती है। इस पद्धति से की जाने वाली खेती में बीज रोपने के लिए खेतों की बहुत अधिक जुताई करने की जरूरत भी नहीं पड़ती है जिससे पेट्रो पदार्थों की खपत और प्रदूषक गैसों के उत्सर्जन में भी कमी आती है। रसायनों के न्यून प्रयोग के कारण पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह पारंपरिक कृषि की तुलना में अधिक प्रभावी है। यही कारण है कि वर्ष 1996 तक दुनियाभर में जीएम फसलों का कुल रकबा जहां 17 लाख हेक्टेयर था वहीं 2019 आते आते यह बढ़कर 1 करोड़ 94 लाख हेक्टेयर तक हो गया। भारतीय किसानों ने भी बीटी कॉटन के प्रयोग से बंपर उत्पादन प्राप्त करने और देश को शुद्ध आयातक से शुद्ध निर्यातक में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की है। कॉटन उत्पादकों ने बीटी बीज की मदद से उत्पादन में 22 प्रतिशत की वृद्धि और मुनाफे में 68 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जबकि इसी दौरान रासायनिक कीटनाशकों के प्रयोग में 37 प्रतिशत की कमी हुई। बीटी कॉटन की सफलता से उत्साहित भारतीय कृषि विज्ञानियों ने वर्ष 2009 में ही बीटी बैंगन भी तैयार कर लिया। व्यापक परीक्षण के बाद खाद्य नियायम प्राधिकरण द्वारा इसका अनुमोदन भी किया गया लेकिन दो दशक से भी अधिक समय से किसान बीटी बैंगन के वाणिज्यिक उत्पादन के लिए सरकारी हरी झंडी के इंतेजार में हैं। जबकि पड़ोसी देश बांग्लादेश ने 2014 में बीटी बैंगन के उत्पादन को मंजूरी दे दी और तब से वहां व्यापक रूप से इसका उत्पादन और उपभोग किया जा रहा है। सितंबर 2018 में जीईएसी की बैठक में बांग्लादेश में करीब 50 हजार किसानों द्वारा बीटी बैंगन उगाने की जानकारी दी गई थी। इसमें से 27 हजार से ज्यादा किसान ऐसे थे जिन्होंने पिछली फसल से अपने बीज बचाए थे। इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईएफपीआरआई) और बांग्लादेश एग्रीकल्चरल रिसर्च इंस्टीट्यूट (बारी) ने बांग्लादेश में बीटी बैंगन की खेती करने और न करने वाले किसानों में 2018 में एक परीक्षण किया और पाया कि बीटी बैंगन की खेती करने वाले किसानों की प्रति किलोग्राम लागत में 31 फीसदी की कमी और प्रति हेक्टेयर कमाई में 27.3 फीसदी की वृद्धि हुई। जबकि कीटनाशकों के प्रयोग में 39 फीसदी की कमी आई और बीटी बैंगन में एफएबीस कीड़े का प्रकोप केवल 1.8 फीसदी था, जबकि दूसरी किस्म के बैंगन में 33.9 फीसदी था। वर्ष 2021 फिलीपींस में भी बीटी बैंगन को मंजूरी दे दी गई। यही सूरते हाल भारतीय कृषि विज्ञानियों द्वारा विकसित सरसों की जीएम किस्म का भी है। दो दिन पूर्व ही खबर आई कि चीन ने अपने देश में सोयाबीन और मक्का सहित 98 फसलों के जीएम प्राल्प के उत्पादन की अनुमति दे दी है। जबकि भारत में जीएम फसलों का मुद्दा खाद्याश आपूर्ति से ज्यादा राजनीति का मुद्दा बन चुका है। एक आधारहीन अवधारणा के बल पर यह साबित करने का अनवरत प्रयास चल रहा है कि जीएम खाद्य पदार्थ मानव स्वास्थ्य के अनुकूल नहीं है। इसके अतिरिक्त इसे विदेशी बीज उत्पादकों के मुनाफे से जोड़कर देसी भावनाओं को भड़काने का काम किया जा रहा है। कुछ सामाजिक संगठनों, कृषि विशेषज्ञों, कीटनाशक उत्पादकों की लॉबी आदि के दबाव में सरकार चाहते ह्ए भी जेनेटिकली मॉडिफाइड फसलों के वाणिज्यिक उत्पादन की अनुमति नहीं दे पा रही है। जबकि लगभग 3 हजार वैज्ञानिक अध्ययनों द्वारा इन फसलों की सुरक्षा का आंकलन किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूरोपीय आयोग और रॉयल सोसाइटी ऑफ मेडिसिन सहित वैश्विक स्तर के 284 संस्थान जीएम फसलों को मानव और पर्यावरण के लिए सण्रक्षित मानते हैं। 2016 में नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंजीनियरिंग और मेडिसिन ने 9 सौ से अधिक प्रकाशनों की समीक्षा की, 80 वक्ताओं को सुना और जनता से 7 सौ से अधिक टिप्पणियां एकत्रित की। वे सभी एक ही निष्कर्ष पर पहुंचे कि गैर जीएम फसलों की तुलना में जीएम उत्पाद मानव स्वास्थ्य के लिए कोई जोखिम पैदा नहीं करते हैं और न ही वे स्पष्ट रूप से किसी पर्यावरणीय समस्या का कारण बनते हैं। यहां तक कि भारत सरकार द्वारा भी संसद में बयान दिया जा चुका है कि जीएम सुरक्षित हैं।

संक्षिप्त समाचार

जॉर्जिया में चुनाव के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन, प्रदर्शनकारियों ने आगजनी की ; पुलिस ने मिर्च स्प्रे किया

त्बिलिसी एजेंसी। जॉर्जिया की राजधानी त्बिलिसी में शनिवार को नगरपालिका चुनावों के दौरान सरकार के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति भवन के पास सुरक्षा बैरियर तोड़ने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने कुर्सियों में आग लगा दी और सड़कों पर बैरिकेड्स बनाए। प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने पानी की बौछार, काली मिर्च स्प्रे और आंसू गैस का इस्तेमाल किया। जॉर्जिया पूर्वी यूरोपीय देश है, जो रूस और तुर्की के बीच स्थित है। यह पिछले साल के संसदीय चुनावों में सत्तारूढ़ जॉर्जियन ड्रीम पार्टी की जीत के दावे के बाद से संकट में है। विपक्षी दलों का कहना है कि उस चुनाव में धोखाधड़ी हुई थी। सरकार ने यूरोपीय संघ (ईयू) में शामिल होने की बातचीत को भी रोक दिया है। शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारी त्बिलिसी के फ्रीडम स्क्वायर और रुस्तवेली एवेन्यू पर जमा हुए, जिनमें से कई जॉर्जिया, ईयू और यूक्रेन के झंडे लहरा रहे थे। उन्होंने जॉर्जियन ड्रीम पार्टी पर तानाशाही और रूस समर्थक रवैये का आरोप लगाया। कुछ विपक्षी नेताओं ने सरकार को हटाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने सत्तारूढ़ पार्टी के 6 नेताओं की गिरफ्तारी की भी मांग की और जनता की इच्छा का सम्मान करने को कहा।

नेपाल में कुदरत का कहर, 24 घंटे से लगातार हो रही बारिश से 18 लोगों की मौत ; कई नदियों का बढ़ा जलस्तर

काठमांडु, एजेंसी। पड़ोसी देश नेपाल में कुदरत का कहर देखने को मिला है। पूर्वी नेपाल के इलम में पिछले 24 घंटों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 18 लोगों की जान गई है। दरअसल,रविवार सुबह तक सूर्योदय नगर पालिका में भूस्खलन में कम से कम 5 लोग, मंगसेबुंग नगर पालिका में 3 और इलम नगर पालिका में 6 लोगों की मौत की खबर है। इस आपका के बाद प्रशासन राहत के कामों में लग गया है। बढ़ सकती है मृतकों की संख्या वहीं,एसएसपी पोखरेल ने समाचार एजेंसी एएनआई से फोन पर बातचीत में कहा कि इस आपदा में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। वर्तमान में नुकसान का आकलन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक हमारे पास केवल नुकसान और क्षति का प्रारंभिक विवरण है। प्रभावित इलाकों में सुरक्षा एजेंसियों के तीनों स्तरों (जिसमें नेपाल सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस शामिल है) को तैनात किया गया है। भारी बारिश और आगे भी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की गई है। इस बीच नदियां उफान पर हैं। काठमांडू घाटी के बाढ़ के मैदानों से निवासियों को निकालने के लिए उन्हें तैनात किया गया है। नदियों के किनारे तलाशी अभियान जारी सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को घाटी से होकर गुजरने वाली सभी प्रमुख नदियों के किनारे बसी बस्तियों में तलाशी अभियान चलाया। एजेंसियों ने घर-घर में जाकर तलाशी ली, निवासियों को बाहर निकलने में मदद की और उनके सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में मदद की। इन नदियों का जलस्तर बढ़ने की संभावना नेपाल के जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग ने बागमती, हनुमंते, मनोहरा, धोबी खोला, बिष्णुमती, नक्खू और बल्खू नदियों में जलस्तर बढ़ने की जानकारी दी है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बाढ़ सड़क किनारे के इलाकों तक पहुंच सकती है और बस्तियों में घुस सकती है। निवासियों और वाहन चालकों से बाढ़ के खतरे के कारण नदी के किनारे यात्रा करने से बचने का आग्रह किया गया है।

असद शासन के तख्तापलट के बाद सीरिया में पहली बार हो रहे संसदीय चुनाव

दश्मिक, एजेंसी। सीरिया में दशकों की तानाशाही और एक लंबे गृहयुद्ध के बाद रविवार को पहली बार संसदीय चुनाव हो रहे हैं। दरअसल, दिसंबर में एक विद्रोही हमले में निरकुंश नेता रहे बशर अल-असद को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। जिसके बाद यह चुनाव हो रहा है। सीरिया में हो रहा यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है। क्योंकि यहां 50 वर्षों से अधिक समय तक असद परिवार ने देश पर कठोर शासन किया था। पिछले 10 वर्षों में सीरिया में हुए गृहयुद्ध ने तबाह कर दिया था। वैसे तो सीरिया में नियमित चुनाव होते रहे थे। जिसमें सभी सीरियाई नागरिक को मतदान करने का अधिकार था। लेकिन असद के नेतृत्व वाली बाथ पार्टी हमेशा संसद पर हावी रही, और इन चुनावों को व्यापक रूप से दिखावटी चुनाव माना जाता था।

लोकतांत्रिक प्रकिया पर नहीं हो रहा चुनाव : हालांकि, रविवार को हो रहा चुनाव भी पूरी तरह से लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर नहीं होगा। बल्कि, पीपुल्स असेंबली की ज्यादातर सीटों पर प्रत्येक जिले के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाएगा, जबकि एक-तिहाई सीटों पर अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा द्वारा सीधे नियुक्ति की जाएगी। फिर भी चुनाव परिणामों को इस बात का पैमाना माना जाएगा कि अंतरिम सरकारें समावेशिता, खासकर महिलाओं और अल्पसंख्यकों के प्रति, कितनी गंभीर हैं।

कैसे काम करती है यह प्रणाली? : बता दें कि पीपुल्स असेंबली में 210 सीटें हैं, जिनमें से दो-तिहाई रविवार को चुनी जाएंगी और एक-तिहाई नियुक्त की जाएंगी। निर्वाचित सीटों पर देश भर के जिलों के निर्वाचक मंडल द्वारा मतदान किया जाता है, और प्रत्येक जिले के लिए सीटों की संख्या जनसंख्या के अनुसार वितरित की जाती है।

चुनावी प्रक्रिया के अनुसार, 60 ज़िलों में कुल 7,000 निर्वाचक मंडल सदस्यों - जिन्हें इस उद्देश्य के लिए नियुक्त समितियों द्वारा प्रत्येक जिले में आवेदकों के समूह में से चुना जाता है। उनको 140 सीटों के लिए मतदान करना चाहिए। लेकिन स्वेदा प्रांत और कुर्द नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेज के नियंत्रण वाले पूर्वोत्तर क्षेत्रों में स्थानीय अधिकारियों और दमिश्क की केंद्र सरकार के बीच तनाव के कारण चुनाव अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिए गए हैं, जिसका अर्थ है कि ये सीटें खाली रहेंगी। वहीं, करीब 6,000 निर्वाचक मंडल सदस्य 50 जिलों में लगभग 120 सीटों के लिए मतदान करेंगे। व्यक्तिगत रूप चुनाव लड़ रहें नेता गौरतलब है कि असद के सत्ता से बेदखल होने के बाद अंतरिम अधिकारियों ने सभी मौजूदा राजनीतिक दलों को भंग कर दिया। इसमें अधिकांश असद सरकार से निकटता से जुड़े थे। यहां अभी तक नए दलों के रजिस्ट्रेशन की कोई व्यवस्था नही है। इसलिए सभी उम्मीदवार व्यक्तिगत रूप से चुनाव लड़ रहे हैं।

महिलाओं के लिए कोई रिजर्व कोटा नहीं : संसद में महिलाओं और धार्मिक या जातीय अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व के लिए कोई रिजर्व कोटा नहीं है। सरकारी समाचार एजेंसी सना ने राष्ट्रीय चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल-अहमद के हवाले से बताया कि अंतिम सूचियों में शामिल 1,578 उम्मीदवारों में से 14 प्रतिशत महिलाएं थीं। कुछ ज़िलों में, कुल उम्मीदवारों में से 30 या 40 प्रतिशत महिलाएं हैं, जबकि अन्य में कोई महिला उम्मीदवार नहीं है।

अब हुई देरी, तो भुगतने के लिए तैयार रहना, शांति समझौते को मानने के लिए ट्रंप ने हमास को दी वॉर्निंग

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने एक बार फिर फलस्तीन में गाजा समूह को चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह (हमास) जल्द से जल्द कदम उठाए और इजरायल के साथ शांति समझौते पर सहमत हो, वरना गाजा में और ताबाही देखने को मिल सकती है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा कि हमाज को जल्द ही कदम उठाना होगा, वरना सारे दांव बेकार चले जाएंगे। उन्होंने यह भी लिखा कि वह अब देर बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि इस प्लान को हमास को मानना चाहिए और इसको जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। इसके अलावा डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात की सराहना भी कि इजरायल ने बंधकों की रिहाई और शांति समझौते को पूरा होने का मौका देने के लिए बमबारी अस्थायी रूप से रोक दी है। हालांकि, इस बीच नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि इजरायल ने रात भर में गाजा शहर पर दर्जनों हमले किए।

कोई भी देरी बर्दाश्त नहीं : बताया जा रहा है कि ट्रंप के एक वरिष्ठ दूत बंधकों की रिहाई की जानकारी और को पाने और इस विवरण को अंतिम रूप देने के लिए मिस्र जा रहे थे। चूंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले ही चेतावनी दी है कि इस प्लान में वह देरी बर्दाश्त नहीं करेंगे। एनडीटीवी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि जेरेड कुशनर और ट्रंप के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ बंधकों की रिहाई के विवरण को अंतिम रूप देने और इजरायल और हमास के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा प्रस्तावित समझौते पर चर्चा करने के लिए इस क्षेत्र की यात्रा कर रहे हैं।

सभी बंधकों को छोड़ने के तैयार है हमास गौरतलब है कि फलस्तीन में हमास समूह ने शुक्रवार को दो साल से चल रहे युद्ध को समाप्त करने वाली योजना पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। इस दौरान हमास का कहना है कि वह सभी बंधकों को रिहा करने और समझौते के विवरण पर चर्चा करने के लिए तैयार है।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसके बदले में इजरायल से युद्धग्रस्त क्षेत्र पर बमबारी तुरंत रोकने का आह्वान किया, हालांकि क्षेत्र में वाशिंगटन के प्रमुख सहयोगी ने शनिवार को कहा कि उसके सैनिक अभी भी गाजा में सक्रिय हैं।

अमेरिकी पुलिस ने शिकागो में महिला को मारी गोली

शिकागो , एजेंसी। अमेरिका के शिकागो में कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला हुआ है। करीब 10 वाहनों ने उन्हें टक्कर मारते हुए घेर लिया। इस दौरान अमेरिकी संघीय एजेंटों ने एक महिला को गोली मार दी। यह घटना बढ़ते आईसीई विरोधी प्रदर्शन और ट्रंप सरकार द्वारा डेमोक्रेटिक नेतृत्व वाले शहरों में अशांति को कम करने के प्रयासों के बीच हुई है। संघीय एजेंटों का कहना है कि शिकागो के साउथ साइड पर अधिकारियों को फंसाया गया था। डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कम से कम 10 कारों ने अधिकारियों को टक्कर मारी और घेर लिया। उन्होंने आगे लिखा कि एजेंट अपने वाहनों को आगे नहीं बढ़ा पाए और कार से बाहर निकल गए। कानून प्रवर्तन वाहन को टक्कर मारने वाले ड्राइवरों में से एक के पास एक अर्ध-स्वचालित हथियार था। कानून प्रवर्तन को अपने हथियार तैनात करने और एक सशस्त्र अमेरिकी नागरिक पर रक्षात्मक गोलियां चलाने के लिए मजबूर होना पड़ा, जो खुद ही घावों का इलाज कराने के लिए अस्पताल जा रही थी। मैकलॉघलिन ने पोस्ट के जरिए बताया कि सशस्त्र महिला का नाम पिछले हफ्ते एक खुफिया बुलेटिन में एजेंटों की जानकारी छिपाने और ऑनलाइन पोस्ट करने के लिए दर्ज किया गया था। महिला का नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है और शनिवार को उसकी हालत ठीक नहीं थी। इस मामले को लेकर अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग की सचिव क्रिस्टी नोएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज शिकागो में, हमारे बहादुर कानून प्रवर्तन अधिकारियों पर हमला किया गया - दस वाहनों ने उन्हें टक्कर मार दी और घेर लिया, जिनमें एक अर्ध-स्वचालित हथियार से लैस हमलावर भी शामिल था। मैं घटनास्थल पर नियंत्रण के लिए और विशेष अभियान चला रही हूं। अतिरिक्त बल आ रहे हैं। अगर आज आपको कोई कानून प्रवर्तन अधिकारी मिले, तो उन्हें धन्यवाद दें।

ट्रंप प्रशासन को यूएसफेडरल कोर्ट से बड़ा झटका, पोर्टलैंड में सैनिकों की तैनाती पर लगाई रोक

न्यूयार्क, एजेंसी। अमेरिकी संघीय न्यायालय राष्ट्रपति डोनलड ट्रंप को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनानी पर स्थायी रोक लगा दी है। संघीय न्यायालय का कहना है कि हाल के दिनों में हुए विरोध प्रदर्शनों को 'विद्रोह' नहीं कहा जा सकता और यह विरोध कानून-व्यवस्था में गंभीर बाधा नहीं बनती।

दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ओरेगन के पोर्टलैंड शहर में 200 नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती का आदेश दिया था। लेकिन संघीय जज ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को पोर्टलैंड शहर में 200 ओरेगन नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। संघीय न्यायालय द्वारा यह रोक 18 अक्टूबर तक के लिए लगाया गया है। पोर्टलैंड में अमेरिकी जिला जज करिन इमरगुट ने यह फैसला सुनाया है। उन्होंने नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती पर रोक लगाते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कोई सबूत पेश नहीं किया, जिससे यह साबित हो सके कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन किसी विद्रोह के स्तर तक पहुंचे हों या उन्होंने कानून व्यवस्था में गंभीर बाधा बन रही हो। साथ ही यह भी दावा किया गया है कि ट्रम्प की तैनाती राज्य के अधिकारों का उल्लंघन करती है।

ट्रंप के लिए बड़ा झटका : पोर्टलैंड में अमेरिकी जिला जज करिन इमरगुट का फैसला यह फैसला ट्रम्प के लिए एक झटका है क्योंकि वह उन शहरों में सेना भेजना चाहते हैं। जिन्हें वह अपने डेमोक्रटिक नेताओं की आपत्तियों के बावजूद अराजक बताते हैं। ट्रंप द्वारा अपने पहले कार्यकाल के दौरान नियुक्त किए गए इमरगुट ने ही रिपब्लिकन राष्ट्रपति को कम से कम 18 अक्टूबर तक सेना भेजने से रोक दिया।

वकीलों ने क्या कहा? गौरतलब है कि ट्रंप ने पोर्टलैंड शहर को युद्धग्रस्त बताते हुए नेशनल गार्ड सैनिकों की तैनाती करने का आदेश दिया था। लेकिन इस मामले पर ओरेगन अटॉर्नी जनरल कार्यालय के वकीलों ने कहा है कि पोर्टलैंड में विरोध प्रदर्शन छोटे और शांत थे। इसी वजह से 19 जून तक सिर्फ 25 गिरफ्तारियां हुई। जबकि इसके बाद तीन महीनों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

व्हाइट हाउस करेगा अपील करेगा व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैक्सन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप ने हिंसक दंगों और कानून प्रवर्तन पर हमलों के बाद पोर्टलैंड में संघीय संपत्तियों और कर्मियों की सुरक्षा के लिए अपने वैध अधिकार का प्रयोग किया है। हमें उम्मीद है कि उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें दोषमुक्त किया जाएगा।

आपत्तियों के बावजूद सेना भेजने की तैयारी ट्रंप पहले ही लॉस एंजिल्स और वाशिंगटन डी.सी।की पुलिसिंग के लिए नेशनल गार्ड भेज चुके हैं, और उन्होंने कहा है कि वह कई अन्य शहरों में भी सेना भेजेंगे। इससे पहले शनिवार को, इलिनॉय के गवर्नर, जो एक डेमोक्रेट हैं, जेबी प्रिट्जकर ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा था कि ट्रंप उनकी आपत्तियों के बावजूद शिकागो में 300 नेशनल गार्ड सैनिक भेजने की तैयारी कर रहे हैं।

ट्रंप के रोकने के बावजूद गाजा पर हमला कर रहा इजरायल, अटैक में 70 की मौत

येरूसलम, एजेंसी। गाजा में चल रहे संघर्ष के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप युद्ध विराम की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच इजरायल ने गाजा पर फिर से हवाई हमला शुरू कर दिया है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को हुए इजरायली हमले में कम से कम 70 फिलिस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। मारे गए नागरिकों में मासूम बच्चे भी शामिल हैं। दरअसल, ट्रंप हमास-इजरायल के बीच चल रहे युद्ध को रोकने का प्रयास कर रहे हैं। हमास द्वारा सहमति जताए जाने के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने इजरायल से गाजा पर तुरंत बमबारी रोकने का आदेश दिया था। इसके बाद भी शनिवार को इजरायल द्वारा गाजा पर हमला किया गया है। इस हमले में इजरायली सैन्य ठिकानों के बीच में रहे गाजा शहर के लोग सबसे अधिक हताहत हुए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि वहां 45 लोगों की जान चली गई। हाल के हफ्तों में इजरायली हमलों ने दस लाख से अधिक गाजावासियों को प्रभावित किया है। इजरायल द्वारा किए जा रहे हमले के कारण गाजावासियों को यह इलाका छोड़कर दक्षिणी गाजा की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

हमले से पहले खाली करने का अल्टीमेटम इजरायली सेना ने दक्षिणी गाज़ा में एक विस्थापन शिविर, अल-मवासी पर भी हमले किए हैं। इससे पहले ही इजरायली सैनिकों ने फिलिस्तीनियों को खाली करने के लिए कहा था। इस हमले में दो बच्चों की मौत हो गई, जबकि कम से कम आठ अन्य घायल हो गए। इसके अलावा तुफाह इलाके में, एक रिहायशी घर पर भी हवाई हमले हुए। जिसमें 18 लोग मारे गए और कई लोग घायल हुए।

ट्रंप ने दी चेतावनी गौरतलब है कि ट्रंप ने इस बात की सराहना की कि इजरायल ने बंधकों की रिहाई के लिए बमबारी अस्थायी रूप से रोक दी, लेकिन हमास को चेतावनी दी कि वह देरी न करे, वरना सब दांव पर लग जाएगा। ट्रंप ने कहा कि मैं देरी बर्दाश्त नहीं करूंगा, जैसा कि कई लोग सोचते हैं कि होगा, या ऐसा कोई भी नतीजा बर्दाश्त नहीं करूँगा जहाँ गाज़ा फिर से खतरा पैदा करे। आइए इसे जल्द से जल्द पूरा करें। सभी के साथ उचित व्यवहार किया जाएगा। ट्रंप ने लिखा, जब हमास पुष्टि करेगा, तो युद्धविराम तुरंत प्रभावी हो जाएगा, बंधकों और कैदियों की अदला-बदली शुरू हो जाएगी, और हम वापसी के अगले चरण के लिए परिस्थितियाँ तैयार करेंगे। मिस्र के विदेश मंत्रालय के अनुसार, हमास और इजरायल के प्रतिनिधिमंडल भी सोमवार को वार्ता में शामिल होंगे।

कराची में 6 अलग-अलग जगहों पर हुई फायरिंग से दहशत में लोग, 4 की मौत और कई घायल

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान के कराची में 6 जगहों पर फायरिंग के बाद 4 लोगों की मौत हो गई। यह सभी घटनाएं शनिवार को अलग-अलग जगहों पर दर्ज की गईं। फायरिंग से पूरे शहर में सनसनी फैल गई है। कराची के ओरंगी में कुछ लुटेरों ने इस घटना को अंजाम दिया। इकबाल मार्केट पुलिस स्टेशन में एलपीजी की दुकान पर लूटपाट के दौरान आरोपियों ने दुकानदार पर गोली चला दी और उसकी मौके पर मौत हो गई। दुकानदार ने अपनी जान बचाने के लिए लुटेरे के हाथ से बंदूक छीन ली और उसपर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान आरोपी लुटेरा भी गोली लगने से घायल हो गया और मौके से फरार हो गया। कराची पुलिस के अनुसार, लुटेरे पर पहले से कई गंभीर मामले दर्ज थे। उसपर चोरी, डकैती के अलावा मर्डर का केस भी चल रहा था। वहीं, फायरिंग की दूसरी घटना कराची की शेरपाओ कालोनी में घटी, जहां एक व्यक्ति को सरेआम मौत के घाट उतार दिया गया। व्यक्ति अपनी बाइक से जा रहा था। तभी 2 लोगों ने उसका पीछा किया और बीच सड़क पर उसे गली मार दी। पुलिस का कहना है कि मृतक के सिर में 3 गोलियां मिली हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कराची के मलिर में बकरा पीरी के पास पुलिस एनकाउंटर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक एक पेशेवर लुटेरा था, जिसने कुछ दिन पहले एक दुकानदार की जान ले ली थी। उसका नाम गुलाम कादिर था। एसएसपी के अनुसार, गुलाम समाद काठियाड़ी नेटवर्क से जुड़ा था और गैंग-वॉर में भी शामिल था। पुलिस को उसके फोन से कई सबूत मिले हैं। न्यू कराची शहर में पुलिस ने एक लुटेरे को गिरफ्तार किया, जो बुरी तरह से घायल था। लोगों ने उसे कराची के निजामाबाद से पकड़ा था और मारपीट कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, एक अन्य हादसे में 3 साल की बच्ची की पानी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कराची में शनिवार को एक मामला सामने आया था, जिसमें जिन्ना पोस्ट ग्रेजुएट सेंटर में एक महिला को गोली मार दी गई थी।

पाक आर्मी बोली- अब भारत से युद्ध हुआ तो तबाही होगी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सेना ने शनिवार रात को भारत को चेतावनी देते हुए कहा- अगर अब दोनों देशों के बीच युद्ध हुआ तो विनाशकारी तबाही होगी। अगर दुश्मनी का नया दौर शुरू हुआ तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचकिचाहट से जवाब देंगे। पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग ने ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर कहा कि भारतीय रक्षामंत्री और सेना के अधिकारियों के गैर-जिम्मेदाराना बयान जंग को बढ़ावा देने की कोशिश है। इसके साथ ही भारतीय आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी पर निशाना साधते हुए पाकिस्तानी सेना ने कहा- जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति आती है, तो मिटना दोनों तरफ से होगा। दरअसल,शुक्रवार को उपेंद्र द्विवेदी ने कहा था- पाकिस्तान को सोचना पड़ेगा कि उसे भूगोल में रहना है या नहीं। अगर अपनी जगह बनानी है, तो उसे आतंकवाद को संरक्षण देना बंद करना पड़ेगा।

ऑपरेशन सिंदूर- भारत ने पाकिस्तान के 8 आतंकी ठिकाने तबाह किए : भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया थे। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था।

3 बयान, जिसपर पाकिस्तान ने

प्रतिक्रिया दी : रक्षामंत्री राजनाथ सिंह (3 अक्टूबर)- जब भी भारत के गौरव और सम्मान की बात आएगी, देश कभी समझौता नहीं करेगा। भारत अपनी एकता और अखंडता की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर किसी भी सीमा को पार कर सकता है। आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी (3 अक्टूबर)-जिस तरह से भारत ने ऑपरेशन सिंदूर 1.0 में संयम रखा है, अबकी बार भारत ये संयम नहीं रखेगा। इस बार हम आगे की कार्रवाई करेंगे। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह (3 अक्टूबर)- ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के करीब 12 से 13 विमान तबाह किए गए थे। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पांच फाइटर जेट और एक ष्ट-130 (ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट) को जमीन पर तबाह किया। ये विमान पाकिस्तान के एयरबेस और हैंगर (विमानों की पार्किंग) पर खड़े थे। भारत से आ रहे बयान झूठे, उकसाने, बिना सोच-विचार और जंग को बढ़ावा देने वाले हैं। दशकों तक भारत ने खुद को पीड़ित बताकर पाकिस्तान को गलत बताया, जबकि वह खुद हिंसा और आतंक को बढ़ावा देता है। इस साल भारत के कारण दो परमाणु देश युद्ध के कगार पर आ पहुंच गए थे, भारत शायद उन नुकसानों और पाकिस्तान की कड़ी प्रतिक्रियां को भूल गया है। भारतीय रक्षा मंत्री, उसकी सेना और वायु सेना प्रमुखों के भड़काऊ बयानों पर हम चेतावनी देते हैं कि भविष्य में यह टकराव तबाही ला सकता है। अगर दुश्मनी का एक नया दौर शुरू होता है, तो पाकिस्तान पीछे नहीं हटेगा। हम बिना किसी हिचक के पूरी ताकत और मजबूती से जवाब देंगे। जहां तक पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बातें हैं। भारत को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थिति आती है, तो मिटना दोनों तरफ से होगा। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के एक्सपर्ट प्रो. श्रीकांत कोंडापल्ली ने दावा किया है कि पहलगाम आतंकी हमले में शामिल एक आतंकवादी के पास चीनी सैटेलाइट कनेक्शन वाला फोन था, जिससे उसने पाकिस्तान को संदेश भेजे थे। कोंडापल्ली के मुताबिक, पहलगाम इलाके की 120 से अधिक सैटेलाइट स्लाइड्स पाकिस्तान को दी गई थीं। इसका मतलब है कि चीन आतंकवाद पर अपने वादों के बावजूद पाकिस्तान की मदद कर रहा था।

रोहित के बाद अब सूर्या के कप्तानी पर भी आ सकता है संकट? इस दिग्गज ने की बड़ी भविष्यवाणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए 26 वर्षीय शुभमन गिल को वनडे टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। गिल को रोहित शर्मा की जगह वनडे कप्तानी सौंपी गई है, जिसने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी है। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने इस फैसले को 'मास्टरस्ट्रोक' करार देते हुए गिल को एक 'नैचुरल लीडर' बताया है, जो जिम्मेदारी मिलने पर अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को सामने लाते हैं। गिल की पहली चुनौती 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी।

BCCI का बड़ा फैसला: रोहित से छिनी कप्तानी

BCCI के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने इस बदलाव की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने खुद रोहित शर्मा को सूचित किया कि बोर्ड ने उन्हें वनडे कप्तानी से मुक्त करने का निर्णय लिया है। अगरकर ने कहा, 'हमने रोहित से बात की और उन्हें बताया कि शुभमन गिल को उनका उत्तराधिकारी बनाया गया है। यह फैसला भविष्य को ध्यान में रखकर लिया गया है।' गिल अब 2027 विश्व कप की तैयारियों के लिए भारतीय वनडे टीम का नेतृत्व करेंगे।

मोंटी पनेसर ने की तारीफ

मोंटी पनेसर ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए इस फैसले की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'यह एक शानदार निर्णय है। गिल ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। रोहित शर्मा की मौजूदगी में उन्हें कप्तान बनाना समझदारी भरा कदम है, क्योंकि रोहित उन्हें मार्गदर्शन दे सकते हैं। हमने इंग्लैंड में देखा है कि गिल एक नैचुरल लीडर हैं।'

पनेसर ने आगे कहा, 'जब आप गिल को जिम्मेदारी देते हैं, तो उनका सर्वश्रेष्ठ रूप सामने आता है। मुझे यकीन है कि इस वनडे सीरीज में हम उनका बेहतरीन प्रदर्शन देखेंगे। यह मेरे लिए आश्चर्य की बात नहीं होगी अगर भविष्य में उन्हें टी20आई कप्तानी भी सौंपी जाए, क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो जिम्मेदारी मिलने पर और निखरते हैं।'

गिल का फोकस: 2027 विश्व कप

शुभमन गिल ने कप्तानी मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा, ÷मेरे लिए यह एक बड़ा सम्मान है। मेरा पूरा ध्यान भविष्य और 2027 विश्व कप पर है। हम अगले कुछ सालों में लगभग 20 वनडे मैच खेलेंगे, और हमारा लक्ष्य एक मजबूत और संतुलित टीम तैयार करना है।÷ गिल ने यह भी बताया कि वह रोहित शर्मा और अन्य सीनियर खिलाड़ियों के अनुभव का लाभ उठाएंगे।

क्रिकेट जगत में मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

गिल को कप्तान बनाए जाने के फैसले ने क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच मिली-जुली प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं। जहां कुछ फैन्स और पूर्व खिलाड़ी इस बदलाव से हैरान हैं, वहीं कई लोग इसे भविष्य की रणनीति का

हिस्सा मान रहे हैं। गिल की युवा ऊर्जा और लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की क्षमता को देखते हुए यह फैसला भारत के लिए नई दिशा तय कर सकता है।

गिल का रिकॉर्ड

26 साल के शुभमन गिल ने अब तक 44 वनडे मैचों में 2271 रन बनाए हैं, जिसमें 6 शतक और 13 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 61.37 और स्ट्राइक रेट 103.46 है, जो उनकी निरंतरता और आक्रामकता को दर्शाता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज में गिल की कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों पर सभी की नजरें रहेंगी।

क्या गिल इस नई जिम्मेदारी के साथ भारतीय वनडे क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे? इसके लिए प्रशंसकों को 19 अक्टूबर से शुरू होने वाली सीरीज का इंतजार है। अधिक अपडेट्स के लिए बने रहें।

टेनिस प्रीमियर लीग: बोपन्ना, डार्डेरी और मौटेट टीपीए के सातवें सत्र में पेश करेंगे चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनुभवी भारतीय टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और विश्व के 29वें नंबर के खिलाड़ी लुसियानो डार्डेरी सहित शीर्ष-50 रैंकिंग में शामिल कम से कम तीन एकल खिलाड़ी नौ दिसंबर से अहमदाबाद में शुरू हो रही टेनिस प्रीमियर लीग (TPL) के सातवें सत्र में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

विश्व के 38वें नंबर के खिलाड़ी फ्रांस के कोरेंटिन मौटेट और उनके हमवतन विश्व के 39वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर मुलर इस लीग में भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ शामिल होंगे जिसकी नीलामी नौ अक्टूबर को मुंबई में होगी। दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन बोपन्ना ने पिछले साल टीपीएल में पदार्पण किया था। वह एसजी पाइपर्स बेंगलुरु का प्रतिनिधित्व करेंगे। इटली के डार्डेरी राजस्थान रेंजर्स का प्रतिनिधित्व करेंगे जबकि मौटेट गुड़गांव ग्रैंड स्लैमर्स के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। मुलर और आर्थर रिंडरकनेच (विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी) क्रमशः गुजरात पैंथर्स और हैदराबाद स्ट्राइकर्स की टीम को मजबूत करेंगे। लीग में बोस्निया एवं हर्जेगोविना के दामिर जुम्हुर (पूर्व विश्व नंबर 23, वर्तमान नंबर 67) यश मुंबई ईगल्स और अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी (विश्व नंबर 58) जीएस दिल्ली एसेस का प्रतिनिधित्व करेंगे। चेक गणराज्य के उभरते खिलाड़ी डालिबोर स्वर्सिना (विश्व नंबर 91) चेन्नई स्मैशर्स की टीम का हिस्सा है। टीपीएल के सह-संस्थापक कुणाल ठाकुर ने कहा, 'इस क्षमता वाले खिलाड़ियों को लीग के साथ जोड़ना प्रतिस्पर्धा के स्तर को ही नहीं बढ़ायेगा बल्कि भारतीय टेनिस खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को भी प्रेरित करेगा।'

लंका प्रीमियर लीग में हिस्सा लेंगे भारतीय खिलाड़ी, जल्द होगी नामों की घोषणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंका प्रीमियर लीग (LPL) के आयोजकों ने सोमवार को घोषणा की कि भारतीय क्रिकेटर पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे जिसका छठा सत्र एक दिसंबर से शुरू होगा। इस टी20 टूर्नामेंट में कुल 24 मैच होंगे जिसमें 20 लीग मैच और चार नॉकआउट मैच शामिल हैं। ये मैच तीन प्रमुख स्थलों कोलंबो के आर प्रेमदासा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, कैंडी के पाल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और दांबुला के रनगीरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 'पहली बार भारतीय क्रिकेटरों के इस टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद है। उनके नामों की घोषणा जल्द ही की जाएगी जिससे पूरे क्षेत्र के प्रशंसकों में उत्साह का एक नया स्तर जुड़ जाएगा।' इस प्रारूप के अनुसार लीग चरण के दौरान सभी पांच फ्रेंचाइजी एक-दूसरे के खिलाफ दो बार प्रतिस्पर्धा करेंगी। राउंड रोबिन चरण के अंत में शीर्ष चार में रहने वाली टीम प्लेऑफ में जगह बनाएंगी।

शीर्ष दो टीम क्वालीफायर एक में खेलेंगी जिसका विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाएगा। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम एलिमिनेटर में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले का विजेता क्वालीफायर एक में हारने वाली टीम से क्वालीफायर दो में भिड़ेगा जिससे फाइनल में जगह बनाने वाली दूसरी टीम का फैसला होगा।

गावस्कर ने वनडे कप्तानी में बदलाव पर दी बड़ी प्रतिक्रिया, आने वाली खबरें और भी बुरी हो सकती हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वनडे टीम में बड़ा बदलाव हो चुका है। रोहित शर्मा से कप्तानी की कमान अब शुभमन गिल को सौंप दी गई है, जिससे रोहित के वनडे नेतृत्व का दौर खत्म हो गया। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने इस फैसले की पुष्टि की, जिसके बाद क्रिकेट जगत में चर्चा तेज़ हो गई। हालांकि, टीम इंडिया के पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस बदलाव को 'आवश्यक कदम' बताया और कहा कि रोहित शर्मा खुद भी इस फैसले से सहमत हैं।

'2027 विश्व कप की तैयारी का हिस्सा है यह बदलाव'

गावस्कर ने कहा कि यह फैसला भारत की 2027 वनडे विश्व कप की तैयारी को ध्यान में रखकर लिया गया है। 'अगर हम अगले दो सालों का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर देखें, तो भारत बहुत कम वनडे खेलेगा। ऐसे में, केवल वनडे खेलने वाले खिलाड़ी के लिए मैच फिट रहना मुश्किल है,' गावस्कर ने स्पोर्ट्स तक से बातचीत में कहा।

'रोहित भी समझते हैं टीम की प्राथमिकता'

गावस्कर के अनुसार, रोहित शर्मा व्यक्तिगत तौर पर इस फैसले से नाराज़ नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'टीम पहले आती है। रोहित ने देश के लिए बहुत कुछ किया है, चैंपियंस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जिताया। लेकिन अगर हमें दो साल आगे सोचना है, तो एक युवा कप्तान को तैयार करना ही समझदारी है, और रोहित इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।'

'आने वाले महीनों में और बुरी खबरें आ सकती हैं'

गावस्कर ने आगे कहा कि यह बदलाव भारतीय टीम प्रबंधन की 'नई दिशा' की शुरुआत है और भविष्य में और बड़े निर्णय लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर कोई खिलाड़ी यह तय नहीं कर पा रहा कि वह अगले दो साल तक वनडे खेलेगा या नहीं, तो उसके लिए टीम में बने रहना मुश्किल हो जाएगा। आने वाले महीनों में कुछ और कड़े फैसले देखने को मिल सकते हैं।'

'रोहित को अब घरेलू क्रिकेट खेलना होगा'

गावस्कर ने यह भी सुझाव दिया कि अगर रोहित वनडे टीम में वापसी चाहते हैं, तो उन्हें विजय हज़ारे ट्रॉफी जैसी घरेलू टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेना चाहिए ताकि मैच फिटनेस बनी रहे। उन्होंने कहा, 'सिर्फ पाँच-सात वनडे से कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीता जा सकता, इसके लिए लगातार अभ्यास जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के बीमार पड़ने के मामले में बीसीसीआई ने दिया जवाब, खाने में समस्या नहीं : राजीव शुक्ला

कानपुर । भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलिया ए क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के बीमार होने के मामले में उठ रहे सवालों को लेकर अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कि अगर टीम होटल के खाने में कोई खराबी होती, तो केवल ऑस्ट्रेलियाई ही नहीं बल्कि भारतीय खिलाड़ी भी बीमार पड़ते। उन्होंने कहा कि चार विदेशी खिलाड़ियों को कही और से संक्रमण हुआ होगा। यह मामला ऑस्ट्रेलिया ए मध्यम तेज गेंदबाज हेनरी थॉर्नटन की तबियत बिगड़ने के बाद उठा। इस गेंदबाज को तबियत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इस घटना के बाद से ही क्रिकेटरों की सेहत को लेकर चिंता जतायी गयी थी। वहीं शुक्ला ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि खान एक बड़ होटल से आता है और उसमें कोई कमी नहीं पायी गयी है। शुक्ला ने कहा, 'अगर खाने में कोई समस्या होती, तो सभी खिलाड़ी, जिनमें भारतीय खिलाड़ी भी शामिल हैं, बीमार पड़ते। यह कुछ और ही मामला है। उन्हें एक अच्छे होटल का खाना दिया जा रहा है और साभी वही खाना खा रहे हैं। संक्रमण कहीं और से हुआ होगा।'

युवराज, धोनी को खेलते देखकर सीखी बल्लेबाजी : तेवतिया

मुम्बई। आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित करने वाले बल्लेबाज राहुल तेवतिया ने कहा है कि उन्होंने बल्लेबाजी कौशल युवराज सिंह और महेन्द्र सिह धोनी को देखकर सीखा है। तेवतिया को युवराज की स्टाइल और शॉट चयन पसंद हैं। वहीं धोनी के उन्होंने अंतिम ओवरो में शांत रहकर मैच समाप्त करने के अंदाज से उन्हें भी प्रेरणा मिली। इससे उन्हें अंदाजा हुआ कि फिनिशर को किस प्रकार बल्लेबाजी करनी चाहिये। तेवतिया ने कहा, 'मैं युवराज की बल्लेबाजी देखते हुए ही यहां तक पहुंचा हूं। वहीं जब मैंने घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाना शुरू किया, तब मैंने धोनी की बल्लेबाजी को ध्यान से देखना शुरु कर दिया। इससे मुझे पता चला कि डेथ ओवरों में गेंदबाजों को पर कैसे आक्रामक अंदाज में खेला जा सकता है। इससे मुझे काफी लाभ हुआ।' गौरतलब है कि तेवतिया ने साल 2020 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ एक मैच में एक ओवर में ही पांच छक्के लगा दिये थे। इसके बाद गुजरात टाइटन्स के लिए साल 2022 में उन्होंने अंतिम दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिलाई। उस सत्र में गुजरात की आईपीएल जीत में तेवतिया ने अहम भूमिका निभाई थी। तेवतिया ने कहा कि क्रिकेट में सफलता के लिए स्थिर मानसिकता रखना जरूरी है, 'सफलता या असफलता दोनों में ही समान बने रहना जरुरी है। अगर आप जल्दी आउट हो जाते हैं, तो दुख होना स्वाभाविक है पर हमारा असली ध्यान परिणाम की जगह पर प्रक्रिया और तैयारी पर रहना चाहिए।' गौरतलब है कि तेवतिया ने अब तक 14 प्रथम श्रेणी मैचों में 535 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर 144 है। वहीं गेंदबाजी में उन्होंने 32 विकेट लिए हैं,

प्रमोद भगत ने अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा, अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन गोल्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के शीर्ष पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत ने 30 सितंबर से पांच अक्टूबर तक नाइजीरिया के अबिया में हुए पहले अबिया पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल टूर्नामेंट में तीन खिताब जीतकर अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखा। 37 वर्षीय पैरा खिलाड़ी भगत ने तोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीता था लेकिन तीन बार अपने स्थान की जानकारी देने से संबंधित चूक के कारण पेरिस पैरालंपिक से बाहर हो गए थे।

भगत ने फाइनल में हमवतन मंटू कुमार को 21-7, 9-21, 21-9 से कड़ी टक्कर देते हुए पुरुष एकल एसएल3 का खिताब जीता। अठारह महीने के प्रतिबंध के बाद वापसी करते हुए चाइना पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल जीतने वाले भगत ने दूसरा गेम हारने के बाद मजबूती से वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद उन्होंने सुकांत कदम के साथ मिलकर पुरुष युगल का स्वर्ण पदक जीता जिसमें उन्होंने पेरू के गेर्सन जेयर वर्गास लोस्टानौल और डायना रोजास गोलाक को 21-13, 21-17 से हराया। भगत को तीसरा खिताब मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में मिला जिसमें उन्होंने आरती पाटिल के साथ मिलकर एक और करीबी फाइनल जीता। भगत ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''हर जीत मुझे अपनी सीमाओं को और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा करना और भारत को गौरव दिलाना हमेशा खास होता है।' युगल में भगत के साथी सुकांत कदम ने कहा, 'प्रमोद के साथ खेलना मुझे हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। कोर्ट पर हमारी समझ हर मैच के साथ मजबूत हो गई है। इस जीत से आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा।'

इस बीच रणजीत सिंह ने तीन कांस्य पदक जीते। उन्होंने पुरुष एकल डब्ल्यूएच1, पुरुष युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (परमजीत सिंह के साथ) और मिश्रित युगल डब्ल्यूएच1-डब्ल्यूएच2 (शबाना के साथ) में तीसरा स्थान हासिल किया। नुरुल हुसैन खान ने पुरुष एकल डब्ल्यूएच2 में रजत पदक जीता जबकि उमा सरकार ने महिला एकल एसएल3 में रजत पदक हासिल किया। सरकार ने आरती के साथ मिलकर महिला युगल एसएल3-एसयू5 में कांस्य पदक भी जीता। अन्य नतीजों में नीलेश गायकवाड़ (पुरुष एसएल4) और कनक सिंह जादौन (महिला एसएल4) ने कांस्य पदक जीते। पुरुष एकल एसयू5 में भारत के लिए करण पनीर, राहुल विमल और सतीवाड़ा ने क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर क्लीन स्वीप किया।

विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर होंगे स्टैंड

-12 अक्टूबर को होगा उद्घाटन

विशाखापत्तनम । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज और पूर्व क्रिकेटर रवि कल्पना के नाम पर अब विशाखापत्तनम क्रिकेट स्टेडियम के दो स्टैंड होंगे। इन दोनो के नाम के स्टैंड का उद्घाटन 12 अक्टूबर को भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले महिला विश्व कप मैच में किया जाएगा। भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना के अनुरोध के बाद ही स्टैंड के नाम मिताली और कल्पना के नाम पर रखे जाने का फैसला लिया गया है। मंधाना की अपील पर मंत्री नारा लोकेश ने आंध्र क्रिकेट संघ से सलाह के बाद विशाखापत्तनम स्टेडियम में मिताली और कल्पना के नाम पर स्टैंड के नाम रखे जाने का फैसला लिया। मंत्री नारा लोकेश ने कहा की मंधाना के सुझाव पर अमल महिला क्रिकेट की इन हस्तियों को सम्मानित करने के लिए किया जा रहा है। ऐसे में अब आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन (एसीए) भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच से पहले 12 अक्टूबर को मिताली राज स्टैंड और रवि कल्पना स्टैंड का उद्घाटन करेगा। स्टैंड का नाम बदलने से महिला क्रिकेटर्स के प्रति सम्मान प्रकट करने के साथ ही खेल में उनके योगदान को भी महत्व देना है। इससे उभरती प्रतिभाओं को भी महिला क्रिकेट को एक पेशे के रूप में अपनाने की प्रेरणा भी मिलेगी। राज ने अपने करियर में 12 टेस्ट मैच खेले, जिसमें 1 शतक और 4 अर्धशतकों के साथ 699 रन बनाए। इसके अलावा, उन्होंने 232 वनडे मुकाबलों में 7 शतकों और 64 अर्धशतकों के साथ कुल 7,805 रन बनाये। 89 टी20 मुकाबलों में मिताली ने 2,364 रन निकले। वहीं आंध्र प्रदेश की कल्पना ने बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन करने के साथ ही सात एकदिवसीय भी खेले।

सोफी डिवाइन ने बनाया बड़ा रिकॉर्ड, महिला विश्व कप में ये कमाल करने वाली 10वीं खिलाड़ी बनीं

इंदौर (मध्य प्रदेश)। न्यूजीलैंड के लिए अपना 300वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही न्यूजीलैंड की बल्लेबाज सोफी डिवाइन ने आईसीसी महिला विश्व कप के इतिहास में 10वीं सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ियों में जगह बनाकर एक यादगार प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपनी टीम के पहले पारी में 47.5 ओवर में 231 रन के स्कोर के दौरान डिवाइन ने 98 गेंदों में 9 चौकों की मदद से 86.73 के स्ट्राइक रेट से 85 रन बनाए। उन्होंने अब तक 27 विश्व कप मैचों और 24 पारियों में 37.65 की औसत और 94 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 866 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 145 रन है। वह विश्व कप इतिहास में 10वीं सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। न्यूजीलैंड की दिग्गज डेबी हॉकले 45 मैचों और 43 पारियों में 42.88 की औसत से 1,501 रन बनाकर शीर्ष पर हैं, जिसमें दो शतक और 10 अर्द्धशतक और 100* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है, उसके बाद भारत की मिताली राज (38 मैचों में 36 पारियों में 47.17 की औसत से 1,328 रन, दो शतक और 11 अर्द्धशतक) और इंग्लैंड की जेनेट ब्रिटिन (36 मैचों और 35 पारियों में 43.30 की औसत से 1,299 रन, चार शतक और तीन अर्द्धशतक) का स्थान है। गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले मैच में एक साहसी और संघर्षपूर्ण शतक बनाने के बाद 36 वर्षीय डिवाइन 2025 के संस्करण में अब तक की सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं जिन्होंने दो पारियों में 98.50 की औसत से 197 रन बनाए हैं।

सफी बांग्लादेश के खिलाफ अफगानिस्तान की वनडे सीरीज से बाहर, सामी को मिली जगह

अबू धाबी । अफगानिस्तान के युवा दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सलीम सफी कमर (एडक्टर) में खिंचाव के कारण बांग्लादेश के खिलाफ आगामी तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ACB) ने सोमवार को यह जानकारी दी। सफी ने अफगानिस्तान के लिए एक टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के अलावा दो वनडे मैच भी खेले हैं। उनकी अनुपस्थिति में, तेज गेंदबाज बिलाल सामी, जिन्होंने अब तक एक वनडे खेला है, को रिजर्व पूल से अफगानिस्तान की मुख्य टीम में शामिल किया गया है। यह सीरीज क्रमशः 8, 11 और 14 अक्टूबर को शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेली जाएगी। ACB ने अपने बयान में आगे कहा, 'टीम के फिजियो का मानना है कि वह इस बुधवार को होने वाले पहले वनडे के लिए तैयार होने की संभावना नहीं है। सलीम ACB के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में तब तक अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखेंगे जब तक वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते और राष्ट्रीय टीम में फिर से शामिल नहीं हो जाते।' शारजाह में बांग्लादेश से टी20आई श्रृंखला 3-0 से हारने के बाद अफगानिस्तान के लिए कुछ जीत हासिल करने के लिए वनडे श्रृंखला महत्वपूर्ण होगी। रविवार को दोनों टीमों के बीच अंतिम टी20आई में, पहले बल्लेबाजी करने के लिए भेजी गई अफगानिस्तान ने अपनी पूरी पारी के दौरान गति बनाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, जब तक कि दरवेश रसूली (32) और मुजीब उर रहमान के देर से आए उछाल ने उन्हें निर्धारित 20 ओवरों में 143/9 तक नहीं पहुंचा दिया।

महिला विश्व कप: पाकिस्तान पर जीत के बाद हरमनप्रीत कौर ने पिच को लेकर किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलंबो -भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने महिला एकदिवसीय विश्वकप 2025 में लगातार दूसरी दर्ज करने के बाद कहा कि पिच बल्लेबाजी के लिए आसान नहीं थी। पाकिस्तान को 88 रनों से हराने के बाद हरमनप्रीत ने कहा, 'सच कहूं तो बल्लेबाजी करने के लिए पिच आसान नहीं थी। हम बस लंबे समय तक खेलना चाहते थे और देखना चाहते थे कि कितने रन बन सकते हैं। जब हमने यहां मई में त्रिकोणीय सीरीज खेली थी, तब पिचें अलग थीं। लेकिन पिछले दो दिनों की बारिश के कारण पिच थोड़ा रुक रही थी। मुख्य बात यह थी कि अंत तक विकेट बचाकर रखें, ताकि योजनाओं को लागू किया जा सकें।'

उन्होंने कहा, 'सुधार करने के लिए बहुत से क्षेत्र हैं लेकिन अभी मैं खुश हूं कि हम ये मैच जीते। हम बस उसी गति से आगे बढ़ना चाहते हैं। अब हम भारत लौटेंगे, जहां हमें पता है कि पिचें कैसी होंगी। देखते हैं कि हम कौन सा सबसे अच्छा कॉम्बिनेशन बना सकते हैं और कैसे रोज थोड़ा-थोड़ा बेहतर हो सकते हैं।'

श्रीलंका के खिलाफ पहले मैच की तरह ही भारत की निचली क्रम की बल्लेबाजी ने टीम को बचाया और चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। बल्लेबाजी के दौरान भारत लय पाने के लिए संघर्ष करता रहा। एक समय भारत का स्कोर 203 रन पर 7 विकेट था और टीम ऑलआउट होने की कगार पर थी, लेकिन ऋचा घोष के नाबाद 35 रन (20 गेंद) ने स्कोर को 247 तक पहुंचा दिया। इसके बाद तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने शुरुआती विकेट लिए। फिर बाकी का बचा काम दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा ने किया।

गौड़ को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने शुरुआती 10 ओवरों में ही दो विकेट लेकर पाकिस्तान को पीछे धकेल दिया। गौड़ ने बहुत तेज गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए नई गेंद को इधर-उधर घुमाया और पिच से मिलने वाली उछाल से बल्लेबाजों को परेशान किया। भारत का क्षेत्ररक्षण निराशाजनक रहा। उन्होंने चार कैच छोड़े, जिनमें से तीन पाकिस्तान की शीर्ष स्कोरर सिदरा अमीन के थे। अब भारत अपने अगले दो मैच दक्षिण अफ्रीका से नौ अक्टूबर और ऑस्ट्रेलिया से 12 अक्टूबर को विशाखापट्टनम में भिड़ेगा।

शरवरी ने शुरू की वेदांग रैना के साथ नई फिल्म की शूटिंग

अभिनेत्री शरवरी वाघ ने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्म निर्माता इम्तियाज अली कर रहे हैं। उनके साथ शरवरी वाघ की अगली फिल्म ने पहले ही फैंस के बीच धूम मचा दी है। वेदांग रैना अभिनीत इस फिल्म की शूटिंग दशहरे के शुभ अवसर पर शुरू हुई है। इस मौके पर अभिनेत्री ने एक भावुक नोट लिखा है। शरवरी वाघ ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक भावुक नोट लिखा है। उन्होंने लिखा सरस्वती पूजा के वक्त घर पर नहीं रह सकी। इसलिए मैंने अपने कमरे में स्क्रिप्ट के साथ अपनी छोटी सी पूजा की। एक बहुत ही खास निर्देशक और टीम के साथ एक बहुत ही खास फिल्म की शूटिंग शुरू। पोस्ट के साथ उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट और फूलों की तस्वीर भी शेयर की।

जन्मदिन पर हुआ फिल्म का एलान

आपको बता दें कि जून में शरवरी के जन्मदिन पर, इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा की गई थी। उस पल को याद करते हुए उन्होंने उत्साह जाहिर किया। उन्होंने इसे अब तक का सबसे अच्छा जन्मदिन बताया। उन्होंने बताया कि इम्तियाज अली के साथ काम करना उनका लंबे समय से सपना रहा है। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा जब से मैंने एक अभिनेत्री बनने का सपना देखा, तब से मैं आपके निर्देशन में काम करने की इच्छा रखती थी।

कांतारा चैप्टर 1 का हिस्सा होना सपने जैसा

रुक्मिणी वसंत साउथ में नाम कमाने के बाद बॉलीवुड में भी कांतारा चैप्टर 1 से चर्चा में हैं। कोविड में आई कांतारा की सुपर सक्सेज के बाद अब इस फिल्म में रुक्मिणी एक न्यू एंट्री हैं। फिल्म को लेकर उत्साहित ये एक्ट्रेस अपनी निजी जिंदगी के कई पन्नों को खोल रही हैं।

गुलशन देवैया और ऋषभ शेट्टी ने सेट पर आपका कैसे साथ दिया?

ऋषभ सर शुरू से ही बहुत जुड़े रहे। उन्होंने लेखकों की कार्यशाला में भी भाग लिया, जिससे मुझे समझ आया कि एक युवरानी की शारीरिक भाषा कैसी होती है - वह कैसे चलती है, कैसे अपने आप को पेश करती है, उसके बोलने का अंदाज कैसा होना चाहिए? गुलशन सर के साथ काम करना भी बहुत प्रेरणादायक था। मैं हमेशा उनके काम को सराहती रही हूं, चाहे वो 'द हॉन्टिंग' हो या 'मर्द को दर्द नहीं होता'। मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात पर हुई कि वह कन्नड़ बेहद खूबसूरती से बोलते हैं। भले ही मैं यह जानती थी कि वह कूर्ग से हैं पर मुझे नहीं पता था कि वह दक्षिण कर्नाटक के इस खास डायलेक्ट में इतने सहज हैं।

एक्ट्रेस ने कहा ऋषभ सर पहले मेरी फिल्म 'सप्त सागरदाचे एलो' की तारीफ कर चुके थे और उनके शब्द मेरे लिए बहुत मायने रखते थे। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि इससे मुझे इतनी बड़ी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा। जब उन्होंने मुझसे फिल्म में शामिल होने को कहा, तो सच में ये सपना जैसा लग रहा था। जैसे-जैसे मैं कहानी और अपने किरदार को समझने लगी, मेरी उत्सुकता और बढ़ गई। थोड़ी घबराहट भी थी क्योंकि किरदार बड़ा था और कहानी में उसका महत्व काफी था, लेकिन ऋषभ सर का मुझ पर भरोसा देखकर मुझे आत्मविश्वास मिला।

फिल्म में अपने किरदार को निभाने के लिए आपने किस तरह तैयारी की?

ऐसी फिल्म में काम करते वक्त मुझे पूरी तरह संस्कृति में डूब जाना जरूरी लगा, क्योंकि 'कांतारा' सिर्फ कहानी नहीं है ...ये करावली क्षेत्र की परंपराओं से गहराई से जुड़ी हुई है। मेरे रोल के लिए, भूत-प्रेत और दैव पूजा को गहराई से समझना जरूरी था। लेखकों और ऋषभ सर ने इस प्रक्रिया में मेरी मदद की, सिर्फ रिवाज समझाने तक नहीं, बल्कि ये भी बताया कि ये समाज और लोगों की जिंदगी पर कैसे असर डालते हैं। पूरी फिल्म के दौरान अगर कोई चुनौती थी, तो वो शारीरिक कौशल की थी, जो मुझे अपने किरदार कनकावती को सही ढंग से जीवित दिखाने के लिए सीखनी पड़ी।

सेट पर आपका पहला दिन कैसा था?

पहला दिन हमेशा ही थोड़ी उत्सुकता और थोड़ी घबराहट से भरा होता है। नया सेट, नया माहौल, सब कुछ नया। जब मैं 'कांतारा चैप्टर 1' के सेट पर पहुंची तो टीम पहले से एक महीने से शूट कर रही थी। मुझे उनकी गति में अपना स्थान ढूंढना पड़ा। शुक्र है कि शुरू में कुछ आसान सीन थे। इनमें ज्यादा डायलॉग नहीं थे, जिससे मुझे किरदार की बॉडी लैंग्वेज, नजर और अंदाज पर ध्यान देने का समय मिला। जब डायलॉग वाले सीन आए तो आवाज और दूसरे छोटे-छोटे पैमानों पर काम करना शुरू किया।

'बघीरा', 'मद्रासी', 'कांतारा चैप्टर 1' और आगे 'टॉक्सिक'। पिछला साल आपके लिए एक वरदान जैसा रहा। इस दौर को आप अपने करियर में कैसे देखती हैं?

ये साल मेरे लिए बेहद खास रहा। पिछले अक्तूबर से लेकर अब तक मुझे जो भी फिल्में मिली सभी एक दूसरे से काफी अलग थीं। मेरे लिए यह पूरा दौर प्रयोग और खुद को चुनौती देने वाला रहा है। इस दौरान मैंने दो काम किए, अपनी ताकत और कमजोरियों को जाना और खुद को बेहतर बनाया।

एक्शन फिल्म से हॉलीवुड में डेब्यू करेंगे टाइगर श्रॉफ!

एक्टर टाइगर श्रॉफ जल्द ही हॉलीवुड फिल्म में नजर आ सकते हैं। एक्टर की डेब्यू फिल्म एक ग्लोबल एक्शन फिल्म होगी। इस फिल्म में वो हॉलीवुड के दिग्गज एक्टर सिल्वेस्टर स्टेलोन और थाई मार्शल आर्ट स्टार टोनी जा के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेजन एमजीएम एक महत्वाकांक्षी पैन-वर्ल्ड प्रोजेक्ट बनाने पर बातचीत कर रहा है, जिसमें पहली बार तीन एक्शन स्टार्स एक साथ दिखेंगे। रिपोर्ट में सोर्स को कोट करते हुए कहा गया कि यह एक ग्लोबल प्रोजेक्ट है और इसे कई भाषाओं में बनाने पर बात चल रही है। इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत शुरू हो चुकी है और सूत्र का दावा है कि तीनों एक्टर ने इस प्रोजेक्ट में काम करने की इच्छा जाहिर की है। सूत्र ने कहा है कि टाइगर, सिल्वेस्टर और टोनी जा के साथ पहले राउंड की बातचीत हो गई है। फिल्म के नाम को लेकर डिस्कशन जारी है लेकिन कहा जा रहा है कि मूवी का नाम इंडियन ही होगा। टाइगर श्रॉफ अपने आइडियल सिल्वेस्टर स्टेलोन के साथ इस तरह के पैन-वर्ल्ड एक्शन प्रोजेक्ट में काम करने के लिए एक्साइटेड हैं। हाल ही में टाइगर की फिल्म बागी-4 रिलीज हुई थी। बता दें कि साल 2017 में टाइगर ने कंफर्म किया था कि वे अपने आइडियल सिल्वेस्टर की क्लासिक फिल्म रेम्बो के हिंदी रीमेक में एक्ट करेंगे। हालांकि, बाद में वह फिल्म नहीं बनी। वहीं, सिल्वेस्टर साल 2009 में अक्षय कुमार और करीना कपूर की फिल्म कमबख्त इश्क में कैमियो रोल कर चुके हैं।

चैप्टर 2 के लिए तैयार हुईं रिया चक्रवर्ती, पांच वर्षों बाद अभिनेत्री को वापस मिला पासपोर्ट

अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती को लगभग पांच वर्षों के बाद उनका पासपोर्ट मिल गया है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में सुशांत सिंह राजपूत मामले से जुड़े दस्तावेज वापस करने की इजाजत देते हुए उनके पक्ष में फैसला सुनाया। सुशांत सिंह राजपूत के निधन मामले की जांच के चलते उनका पासपोर्ट जमा कर लिया गया था। पासपोर्ट मिलने पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखी है।

इंस्टाग्राम पर रिया चक्रवर्ती ने अपने कठिन वक्त और अनगिनत संघर्षों को याद करते हुए कहा कि इस दौरान धैर्य ही उनका एकमात्र पासपोर्ट था। अपने संदेश के साथ, उन्होंने यह भी बताया कि कैसे वह एक नई शुरुआत के लिए तैयार हैं। उन्होंने लिखा पिछले पांच वर्षों से धैर्य ही मेरा एकमात्र पासपोर्ट था। अनगिनत संघर्ष। अनंत आशा। आज, मेरे हाथ में फिर से मेरा पासपोर्ट है। अध्याय 2 के लिए तैयार!

जून 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती सुर्खियों में थीं। उनके और सुशांत के बीच अफेयर की खबरें थीं। 8 सितंबर, 2020 को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने उन्हें सुशांत की मौत से जुड़े ड्रग्स मामले में हिरासत में ले लिया था। हालांकि, उन्हें एनसीबी के पास अपना पासपोर्ट जमा करने की शर्त पर जमानत मिल गई थी। ल्मों की बात करें तो, रिया आखिरी बार रूमी जाफरी की फिल्म चेहरे में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने अमिताभ बच्चन, इमरान हाशमी और अन्नू कपूर जैसे कलाकारों के साथ काम किया था।

नई जाना गाने ने मेरी पुरानी यादें कर दीं ताजा

पंजाबी फिल्मों की सुपरस्टार नीरू बाजवा का नया गाना नई जाना रिलीज हो गया है। यह उनकी आने वाली फिल्म मधानियां का गीत है। इस गाने के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि इससे उनकी पुराने दिनों की यादें ताजा हो गईं। नई जाना एक पंजाबी गीत है, जिसे मन्नत नूर ने गाया है। मनी औजला ने इसका संगीत दिया है। यह गाना आज के जमाने के म्यूजिक के साथ एक पुराने लोकगीत को पेश करता है। इस गाने में एक शादी का सीन दिखाई दे रहा है। इसमें नीरू बाजवा अपने डांस और खूबसूरती से इस गाने की रौनक बढ़ाती दिख रही हैं। यह गाना पंजाबी शादियों की खुशी और उत्साह को दर्शाता है। गाने के बारे में बात करते हुए नीरू बाजवा ने कहा, 'नई जाना' गाने ने बचपन की शादियों में इसे सुनने की तमाम यादें ताजा कर दीं। मधानियां में इसे परफॉर्म करना बेहद सजीव और मजेदार अनुभव था, क्योंकि यह गाना शरारत, प्यार और हंसी का खूबसूरत मेल है। मैं उत्सुकता से इंतजार कर रही हूं कि दर्शक भी इसे देखकर वही खुशी महसूस करें, जो हमें इसे फिल्माते वक्त मिली।

नीरू बाजवा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने को शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए उन्होंने हार्ट की इमोजी भी लगाई है। वहीं सिंगर मन्नत नूर ने कहा, यह गाना पूरी तरह से पुरानी यादों को ताजा करता है। पंजाब में हर कोई 'नई जाना' गाने के बारे में जानता है, यह हमारी शादियों और हमारी संस्कृति का हिस्सा है। जब मैंने इसे रिकॉर्ड किया तो मेरा ध्यान उस सार को बरकरार रखने के साथ-साथ आज के श्रोताओं के लिए एक ताजगी लाने पर भी था।

मेरा मुश्किल दौर स्कैम 2003 से मिली शोहरत के बाद शुरू हुआ

वेब सीरीज स्कैम 2003 में अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका के लिए वाहवाही बटोरने वाले एक्टर गगन देव रियार इन दिनों अपनी नई सीरीज 13वीं सम लेसन्स आर नॉट टॉट इन क्लासरूम्स को लेकर चर्चा में हैं।

सिनेमा इंडस्ट्री में आम तौर पर सफलता और शोहरत को मुश्किलों और संघर्ष अंत माना जाता है, पर एक्टर गगन देव रियार का अनुभव बिल्कुल अलग है। हंसल मेहता की चर्चित वेब सीरीज स्कैम 2003 में पेपर घोटाले के मास्टरमाइंड अब्दुल करीम तेलगी की भूमिका से सुर्खियों में आने वाले एक्टर गगन देव रियार के मुताबिक, उनका सबसे मुश्किल दौर इस सीरीज से मिली सफलता और शोहरत के बाद शुरू हुआ है।

जितना सफल होता हूं, उतना कंफ्यूज होता हूं

करियर के सबसे मुश्किल दौर के बारे में पूछने पर गगन कहते हैं, मेरा सबसे मुश्किल दौर इस वक्त चल रहा है, क्योंकि सफलता को लेकर लोगों का जो नजरिया होता है, जैसे लोग बोलते हैं कि आपने वो हासिल कर लिया, वहां पहुंच गए, तो मुझे समझ में नहीं आता है कि इसके बाद कहां जाना है। ये मेरी पर्सनल जद्दोजहद है। मैं जितना सफल होता जाता हूं, उतना ही कंफ्यूज होता जाता हूं कि आज मेरे पास वो सब है जो मुझे चाहिए था, जिसकी मैंने कल्पना की थी कि घर हो, काम हो, पैसा हो लेकिन वो मकसद कहीं खत्म हो गया है कि मुझे ये करना क्यों था। यह ऊहापोह स्कैम 2003 के बाद शुरू हुई है कि इस सफलता के बाद क्या? आप यहां से कहां जाएंगे?

बहरूपिया बनने में मजा आने लगा

महज 16 साल में एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने वाले गगन बताते हैं कि असल में एक्टर बनना उनके पापा का सपना था, जो उन्होंने पूरा किया। बकौल गगन, मैं 16 साल का था। मैंने दसवीं का एग्जाम पास किया था। गर्मी की छुट्टियां चल रही थीं कि एक दिन पापा ने पूछा, एक्टर बनना चाहते हो? असल में पापा फिल्मों में हीरो बनना चाहते थे। वो बचपन में भागकर यहां आए थे, तो फिल्में हम बहुत देखते थे। शाहरुख खान, जैकी श्रॉफ मुझे भी बहुत पसंद थे, पापा के पूछने पर मैंने कहा-ठीक है। तब उन्होंने मुझे दो महीने का एक एक्टिंग का क्रैश कोर्स कराया, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। लगा कि यह मैं जिंदगी भर कर सकता हूं क्योंकि रोज कुछ नया करने को मिल रहा है। मैं हर रोज एक नया बंदा हूं। वो अलग-अलग रूप धरने में, बहरूपिया बनने में मुझे इतना मजा आने लग गया कि उस कोर्स में 20 बच्चे थे, जिसमें मैं सबसे छोटा था, मगर क्लास में फर्स्ट आया।

जादू की छड़ी जैसी है एक्टिंग

इन दिनों अपनी नई सीरीज 13वीं- सम लेसन्स आर नॉट टॉट इन क्लासरूम्स को लेकर चर्चा बटोर रहे गगन आगे बताते हैं, फिर कॉलेज में जब मैं थिएटर से जुड़ा तो लगा कि एक्टिंग और थिएटर तो एक ही चीज है। मुझे उसमें इतना मजा आने लगा कि मैंने तय कर लिया कि यही करना है। हालांकि, मैं पढ़ाई में होशियार था। चाहता तो बहुत कुछ बन सकता था, मगर एक रूहानी अनुभव जो एक्टिंग में होता है कि आपने कुछ किया, जिससे किसी और को कुछ हुआ। मतलब मैं जो करूंगा, उससे कोई दूसरा हंसता है या रोता है। मुझे ऐसा लगा कि मेरे हाथ में कोई जादू की छड़ी है। मुझे हैपी पॉटर जैसा महसूस हुआ और मैं वो जादूगर बनना चाहता था। बस एक्टिंग का सिलसिला चल पड़ा।

बिहार में बजा चुनावी बिगुल, 6 और 11 नवंबर को मतदान:14 को आयेंगे नतीजे

■ बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 6 नवंबर को पहला चरण तो 11 नवंबर को होगा दूसरे चरण का मतदान ■ 14 नवंबर को होगी मतगणना, सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम ■ 243 विधानसभा सीटों पर 7.42 करोड़ मतदाता करेंगे मतदान

पटना/दिल्ली, (ईएमएस)। आख़िरकार सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव का बिगुल बज गया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया है कि इस बार बिहार विधानसभा चुनाव 2 चरणों में होंगे। सोमवार शाम 4 बजे से दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बिहार चुनाव की घोषणा करते हुए बताया कि 6 नवंबर को पहले चरण का मतदान होगा, जबकि 11 नवंबर को दूसरे चरण का मतदान होगा और 14 नवंबर को मतगणना होगी। 6 नवंबर 2025 को पहले चरण में 121 सीटों पर वोट डाले जाएंगे, जबकि 11 नवंबर को 122 सीटों पर मतदान होगा। वहीं मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया कि राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 3.92 करोड़ और महिला मतदाता 3.50 करोड़ हैं। उन्होंने आगे कहा कि 10 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी और 17 अक्टूबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। 18 अक्टूबर को नामों की छंटनी होगी, जबकि 20 अक्टूबर नामांकन वापसी का दिन है और 6 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। 11 नवंबर को दूसरे चरण में 122 सीटों पर वोटिंग होगी। 13 अक्टूबर को अधिसूचना जारी होगी और 20 अक्टूबर से नामांकन की प्रक्रिया शुरू होगी। 21 अक्टूबर को स्क्रूटनी होगी, जबकि 23 अक्टूबर नामांकन वापसी का दिन है। वहीं 11 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। 14 नवंबर को परिणाम घोषित होगा।

इस बार 17 नए प्रयोग किए गए हैं: चुनाव आयुक्त

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि इस बार 17 नए प्रयोग किए गए हैं। उन्होंने बताया कि 17 नए फैसले बिहार विधानसभा चुनाव में लिए गए हैं जो बाद में पूरे देश में लागू होंगे। यह एक ऐतिहासिक कदम माना जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में कुल 90,712 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं। 1044 महिला पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। 1350 मॉडर्न पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। किसी भी बूथ पर 1200 से अधिक मतदाता नहीं रहेंगे। बुजुर्ग और दिव्यांग के लिए बूथ ग्राउंड फ्लोर पर होंगे। व्हील चेयर की सुविधा होगी।

14 नवंबर को होगी मतगणना

सभी 243 विधानसभा सीटों के लिए 14 नवंबर को वोटों की गिनती होगी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि 16 नवंबर 2025 से पहले बिहार विधानसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि 11 जिलों में 250 जगहों पर घोड़ों से निगरानी की जाएगी। जीरो टॉलरेंस टू एनी वायलेंस के निर्देश दिए गए हैं। सभी अधिकारियों को निष्पक्ष रहने का निर्देश है। कोई फेक न्यूज और गलत जानकारी सोशल मीडिया पर आता हैं तो कार्रवाई होगी। ड्रग्स और कैश के अवैध तस्करी पर पैनी नजर रहेगी।

7 राज्यों और जम्मू-कश्मीर की 8 विधानसभा सीटों पर 11 नवंबर को होगा उपचुनाव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। चुनाव आयोग ने सोमवार, 6 अक्टूबर को बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों के साथ ही देश के 07 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की है। सभी सीटों पर मतदान 11 नवंबर को होगा, जबकि मतगणना और परिणाम 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। इन उपचुनावों की जरूरत विधायकों के इस्तीफे, निधन और अयोग्यता जैसी वजहों से पड़ी है। घोषणा के साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। जम्मू-कश्मीर में दो सीटों–27-बुडगाम और 77-नागरोथा–पर उपचुनाव होंगे। बुडगाम सीट उमर अब्दुल्ला के इस्तीफे से और नागरोथा सीट देवेंद्र सिंह राणा के निधन के कारण खाली हुई है। राजस्थान की 193-अंता सीट कंवरलाल की अयोग्यता के चलते रिक्त हुई। झारखंड की 45-घाटशिला (एसटी) सीट, तेलंगाना की 61-जुबली हिल्स, पंजाब की 21-तरन तारन, मिजोरम की 2-डंपा (एसटी) और ओडिशा की 71-नुआपड़ा सीट पर भी उपचुनाव कराए जाने की घोषणा हो गई है। इन सभी सीटों के लिए नामांकन की प्रक्रिया 13 अक्टूबर से शुरू होगी। जम्मू-कश्मीर और ओडिशा में नामांकन की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर रखी गई है, जबकि अन्य राज्यों में यह 21 अक्टूबर होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि झारखंड, मिजोरम, पंजाब और तेलंगाना में 24 अक्टूबर तथा राजस्थान में 27 अक्टूबर तय की गई है। इसी के साथ बिहार विधानसभा चुनाव के साथ ही इन राज्यों व केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में उपचुनाव भी संपन्न हो जाएंगे।

दमण जिले के सभी ग्राम पंचायतों, जिला पंचायतों एवं नगरपालिका की मतदाता सूची का अंतिम मसौदा प्रकाशित

■ संबंधित कार्यालयों में निरीक्षण के लिए उपलब्ध

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 07 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण-दीव प्रशासन में स्थानीय स्वराज संस्थाओं के आगामी चुनावों की तैयारी तेज हो गई है। इसी क्रम में दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव पंचायत (चुनाव प्रक्रिया) नियम, 2023 के नियम 14 के अनुसार सोमवार को दमण जिले की सभी ग्राम पंचायतों, जिला पंचायतों तथा नगर पालिका क्षेत्र के लिए अंतिम मतदाता सूची तैयार की गई है। इसे पुनः प्रकाशित किया गया है। नई दिल्ली चुनाव आयोग के निर्देशानुसार संघ प्रदेश श्रीडी केदमण जिले की सभी ग्राम पंचायतों, नगरपालिका और जिला पंचायतों के संबंध में दमण जिले की अर्हक तिथि 1 जनवरी 2025 को देखते हुए अंतिम मतदाता सूची तैयार की गई है, इसे नियम 12 के उप-नियम (1) में निर्दिष्ट तरीके से फॉर्म 3 में 4 अक्टूबर 2025 को पुनः प्रकाशित किया गया है। जिसे जनता के निरीक्षण के लिए क्रमशः अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय, मामलतदार/एईआरओ के कार्यालय, दमण जिले के सभी पंचायत घर और चुनाव विभाग, कलेक्ट्रेट, दमण में उपलब्ध होगी। आम जनता और विशेष रूप से राजनीतिक दलों से अनुरोध है कि वे अंतिम मतदाता सूची का निरीक्षण कर सकते हैं।

दीव वात्सल्य संस्था ने मनाया विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 06 अक्टूबर। दीव स्थित वात्सल्य संस्था में आज विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस 2025 मनाया गया। जिसमें सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित मानसिक रूप से विकलांग बच्चों ने संस्था परिसर के पास सड़क से गुजरने वाले राहगीरों को एक हरा रिबन, एक गुलाब का फूल और एक जागरूकता पुस्तिका भेंट की। जिससे लोगों तक सेरेब्रल पाल्सी के बारे में जानकारी और जागरूकता लाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर दीव जिले के एडीएम विवेक कुमार साहेब विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने मानसिक रूप से विकलांग बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उनका उत्साह बढ़ाया। तत्पश्चात संस्था परिसर में सेरेब्रल पाल्सी केक काटकर इस विशेष दिवस को मनाया गया, जिसमें संस्था के उपाध्यक्ष डॉ. कामलिया, सचिव किशोर कापड़िया, संयुक्त सचिव राजू दवे और कोषाध्यक्ष उस्मान वोरा विशेष रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। सेरेब्रल पाल्सी कोई बीमारी नहीं बल्कि एक शारीरिक और मानसिक स्थिति है, जो गर्भावस्था के दौरान या जन्म के समय बच्चे में होने की संभावना होती है और यह स्थिति जीवन भर बनी रहती है, इसलिए ऐसे बच्चों को फिजियोथेरेपी के साथ-साथ विशेष शिक्षा और लंबे समय तक एक विशेष वातावरण की आवश्यकता होती है। एक सर्वेक्षण के अनुसार, वर्तमान में विश्व में लगभग एक करोड़ सत्तर लाख लोग इस समस्या से प्रभावित हैं और इस वर्ष विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस को एक अनूठी और एकीकृत थीम दी गई है। वात्सल्य संस्था के ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन के पीछे मुख्य उद्देश्य लोगों में सेरेब्रल पाल्सी के बारे में जागरूकता और ज्ञान पैदा करना, यह सुनिश्चित करना कि सेरेब्रल पाल्सी से ग्रस्त मानसिक रूप से विकलांग बच्चों को उनके परिवारों और समाज द्वारा स्वीकार किया जाए और उन्हें एक उपयुक्त वातावरण प्रदान करना है।

दीव में वाइल्डलाइफ वीक के तहत क्वीज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 06 अक्टूबर। दीव में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक नेशनल वाइल्डलाइफ वीक मनाया जा रहा है। इसी के तहत आज दीव के दगाची गांव स्थित नक्षत्र वन में क्वीज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस क्वीज प्रतियोगिता में कॉलेज के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। इस मौके पर कॉलेज के प्रोफेसरों, वन विभाग के कर्मचारियों और बडी संख्या में विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

दीव समुद्र में मच्छीमारी करने गया खलासी समुद्र में लापता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 06 अक्टूबर। दीव के घोघला गांव की बोट में सवार एक खलासी की मच्छीमारी करने दौरान समुद्र में लापता होने का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के मुताबिक, घोघला के लालजी देवा सोलंकी की जय लाखवाई माँ नाम की बोट संख्या आईएनडी डीडी 02-एमएम 1546 बीते चार अक्टूबर को समुद्र में मच्छीमारी करने गई थी। समुद्र में मच्छीमारी करने के दौरान ऊना तालुका के नांदण गांव निवासी भीखा रामा वाजा नामक खलासी समुद्र में लापता हो गया। जिसका अभी तक कोई पता नहीं चल सका है। हाल में समुद्र में शक्ति चक्रवात को लेकर सभी फिशिंग बोट किनारे बुला ली गई है।

दादरा नगर हवेली पंचायतों एवं नगरपालिका के लिए अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा, 07 अक्टूबर। दादरा नगर हवेली जिले के पंचायतों एवं नगरपालिका के लिए अंतिम मतदाता सूची 4 अक्टूबर को प्रकाशित की गई है। नई दिल्ली के निर्वाचन आयोग के निर्देश पर दादरा नगर हवेली की पंचायतों एवं नगरपालिका के लिए मतदाता सूचियों की तैयारी एवं संशोधन का कार्य संपन्न किया जा रहा है। इसी के तहत दादरा नगर हवेली की पंचायतों एवं नगरपालिका के लिए अंतिम मतदाता सूची 04/10/2025 को प्रकाशित की गई है। उक्त मतदाता सूची की एक प्रति निरीक्षण के लिए निर्वाचन विभाग, तृतीय तल, जिला सचिवालय, डीएनएच, सिलवासा पर उपलब्ध होगी।

SURYA PRATAP SINGH
MBA, PGPM, LLB
(ADVOCATE & TRADEMARK ATTORNEY)

Office : #105, 1st Floor, Shraddha Complex, Vapi -Silvassa Road, Silvassa -396230, UT of DNH &DD
e-mail: advocate.suryawrites@gmail.com
Mobile: 7623023000

PUBLIC NOTICE

TAKE NOTICE THAT my client **Mr. DhawalJeet PramodSinh Parmar** is the absolute owner and possessor of the Residential Bunglow, admeasuring 216.3 square metres (112.7 Ground Floor) and (103.6 First Floor) area, nomenclated as **"SUKH SHANTI"**, constructed on the **N.A Land** (Property) described in **the schedule** hereto below. He purchased the N.A. Land (property) in 2004 and the sale deed with respect to said property was executed and registered vide Registration No. 1826 at Page No 209, Volume-II of Book No 77 dated 18/10/2004 at sub registrar office Dadra and Nagar Haveli, SILVASSA. Now, he has decided to sell and transfer the said Residential Bunglow along with N.A.Land (property), which is free from all encumbrances, charge, disputes, claim, lien or mortgage of any nature whatsoever.

It is FURTHER NOTIFIED that the Original Sale Deed of the property, having aforementioned registration details has been stolen / lost or has been misplaced.

Any person having any claim or right in respect of the said property by way of inheritance , share ,sale , mortgage , lease , lien, licence , gift , possession or encumbrance howsoever or otherwise is hereby required to intimate to the undersigned within 7 days from the date of publication of this notice of his such claim , if any, with all supporting documents, failing which the transaction shall be commenced and completed without reference to such claim and the claims , if any , of such person shall be treated as waived and not binding on my client .

THE SCHEDULE ABOVE REFERRED TO :

N.A Land (Property) - Plot No-3, bearing Survey No; 26/2/2, admeasuring 377.75 square metres land area, of the town of Silvassa , Dadra and Nagar Haveli District , of the UT of Dadra and Nagar Haveli , Daman and Diu - 396230.

Dated - 06/10/2025

Sd /-
ADVOCATE SURYA PRATAP SINGH
Office: 105,1st Floor ,Shraddha Complex,
Vapi- Silvassa Road, Silvassa , UT of DNH&DD-396230
Email- advocate.suryawrites@gmail.com
Mobile- 7623023000

SSR COLLEGE OF ARTS, COMMERCE AND SCIENCE, SILVASSA
Affiliated to Savitribai Phule Pune University (SPPU), Pune
Approved by AICTE, New Delhi & DTE, Mumbai, Maharashtra
DTE Code: 16330, Choice Code: BBA-CA-1633010310, BBA- 1633010110

BBA & BBA-CA ADMISSION NOTICE: 2025-26

SSR College of Arts, Commerce and Science invites the applications for the First Year BBA & BBA CA admissions for Institute Level seats (IL) and Against CAP Seats (seats vacant after CAP rounds) from the registered students with Directorate of Technical Education (DTE) / State CET CELL, Mumbai, Maharashtra.

All admissions are governed by the rules published & prescribed in the Information brochure by the Govt. of Maharashtra, State Common Entrance Test Cell, DTE Mumbai, and Maharashtra. (https://cetcell.mahacet.org/)

Last date for Distribution & submission of Application Forms is 7th Oct. 2025 at the College office between 10:00 AM to 05:00 PM. The schedule and other details for admission procedure will be displayed on the Institute Notice board and Website (www.ssracs.edu.in) from time to time. We accept Entrance scores as approved by the DTE / CET Cell, Maharashtra.

CONTACT
Sayli Road, Silvassa Road, Silvassa – 396230, UT of DNH & DD
Contact Details: 9376543818, 9081160001
principal@ssracs.edu.in, www.ssracs.edu.in

FACTORY AVAILABLE FOR RENT OR LEASE
AREA 14000 SQ.FEET
CONTACT
9821144411 / 9372562805

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)